ज्येष्ठ शुक्ल - 5 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 302 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 31-05-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस की 'जय हिंद यात्रा' 'जय पाकिस्तान यात्रा' जैसी है : भाजपा

6 तबाकू की घातकता को समझने की जरूरत

7 राजकुमार राव को चुनौतियों से भरी प्रभावशाली फिल्में पसंद

भारतीय सेना के पराक्रम के आगे गिड़गिड़ाना पड़ा पाकिस्तान को : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कानपुर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेनाओं के पराक्रम की सराहना करते हुए शुक्रवार को कहा कि इसी के चलते पाकिस्तान को युद्ध रोकने के लिए गिड़गिड़ाना पड़ा। उन्होंने दोहराया कि भारत अब आतंकवादियों और उनकी की सहायता करने वाली सरकार को एक जैसा ही मानती है।

मोदी यहां कानपुर में विकास की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज उत्तम प्रदेश बनने की दिशा में तेज गति से अग्रसर है।

प्रधानमंत्री नेऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि इसे केवल स्थगित किया गया है और यह अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा , ''ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो दुश्मन गिड़गिड़ा रहा था, वो किसी धोखे में न रहे। यह ऑपरेशन अभी खत्म नहीं हुआ है।''

■ भारत अब एटम बम की गीदड़भभकी से नहीं डरेगा और न ही उसके आधार पर कोई फैसला लेगा।

■ आतंक के आका और आतंक की सरपरस्त सरकार को भारत एक ही नजर से देखेगा।

मोदी ने कहा, 'हमारी सेना ने ऐसा पराक्रम किया कि पाकिस्तानी सेना को गिड़गिड़ा कर युद्ध रोकने की मांग करने पर मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि वह स्वतंत्रता संग्राम की धरती कानपुर से भारतीय सशत्र बलों के इस शौर्य को बार-बार सैल्यूट करते हैं।

मोदी ने कहा कि भारत ने आतंक के खिलाफ अपनी लड़ाई में तीन सूत्र स्पष्ट रूप से तय किए हैं , भारत हर आतंकी हमले का करारा जवाब देगा, उसका समय, तरीका और शर्तें हमारी सेनाएं खुद तय करेंगी। भारत अब एटम बम की गीदड़भभकी से नहीं डरेगा और न ही उसके आधार पर कोई फैसला लेगा। आतंक के आका और आतंक की सरपरस्त सरकार को भारत एक ही नजर से देखेगा। उन्होंने कहा , पाकिस्तान का स्टेट (सरकार)और नॉन स्टेट (सरकार से बाहर के) एक्टर का खेल अब चलने वाला नहीं है।

अगर मैं सीधे-सीधे कानपुरिया में कहूं कि दुश्मन कहीं भी हो, होंक दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा , ' हमारे भारतीय हथियारों ने और ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मन के घर में घुसकर तबाही मचाई है। यह ताकत हमें आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से मिली है। एक समय था, जब भारत सैन्य जरूरतों के लिए, अपनी रक्षा के लिए दूसरे देशों पर निर्भर था। हमने उन हालातों को बदलने की शुरुआत की है।

अगर बातचीत करना चाहता तो

हाफिज और मसूद को भारत को सौंपे पाकिस्तान : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को पाकिस्तान से कहा कि अगर वह भारत के साथ बातचीत के लिए गंभीर है तो उसे हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे आतंकवादियों को भारत को सौंप देना चाहिए।

सिंह ने गोवा तट पर भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर अधिकारियों और नौसैनिकों को संबोधित करते हुए कहा, अगर पाकिस्तान बातचीत के लिए गंभीर है तो उसे हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे आतंकवादियों को भारत को सौंपना होगा , ताकि न्याय हो सके। ये दोनों न केवल भारत की मोस्ट वांटेड आतंकवादियों की सूची में हैं, बल्कि संयुक्त राष्ट्र की ओर से नामित आतंकवादी भी हैं। मुंबई हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा को हाल ही में भारत लाया गया है। हाफिज सईद भी मुंबई हमलों का दोषी है और उसके अपराध के लिए न्याय होना चाहिए। पाकिस्तान की ओर से बार-बार बातचीत की पेशकश पर रक्षा मंत्री ने भारत के रुख की पुष्टि करते हुए कहा कि बातचीत केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और आतंकवाद पर हो सकती है। उन्होंने कहा, अगर बातचीत होगी तो वह केवल आतंकवाद और पीओके पर होगी।

■ अब अगर पाकिस्तान भारत के खिलाफ कोई आतंकी कार्रवाई करता है तो उसे इसके परिणाम भुगतने होंगे और हार का सामना करना पड़ेगा।

पाकिस्तान को यह समझने की जरूरत है कि आजादी के बाद से वह जो खतरनाक आतंकवाद का खेल खेल रहा है, उसका समय खत्म हो चुका है। अब अगर पाकिस्तान भारत के खिलाफ कोई आतंकी कार्रवाई करता है तो उसे इसके परिणाम भुगतने होंगे और हार का सामना करना पड़ेगा। भारत इसमें संकोच नहीं करेगा।

फर्स्ट टेक

ताजमहल की सुरक्षा के लिए 'एंटी-ड्रोन सिस्टम' तैनात

आगरा (उप्र)/भाषा। अद्भुत स्मारक ताजमहल के आसपास सुरक्षा बढ़ाने के लिए 'एंटी-ड्रोन सिस्टम' तैनात किया गया है। सहायक पुलिस आयुक्त (ताज सुरक्षा) सैयद अरीब अहमद ने शुक्रवार को बताया कि यह सिस्टम ताजमहल परिसर में लगाया गया है और यह प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने वाले किसी भी ड्रोन को निष्क्रिय करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि स्मारक के चारों ओर 500 मीटर के दायरे में निगरानी रखी जाएगी और इस सीमा में पाए जाने वाले किसी भी ड्रोन को तुरंत निष्क्रिय कर दिया जाएगा। अहमद ने बताया, यह सिस्टम आठ किलोमीटर के दायरे में ड्रोन को निष्क्रिय करने में सक्षम है, लेकिन ताजमहल की सुरक्षा संवेदनशीलता को देखते हुए, निगरानी को शुरू में 500 मीटर की परिधि तक सीमित रखा गया है।

नाइजीरिया में बाढ़ के कारण कम से कम 111 लोगों की मौत

अबूजा (नाइजीरिया)/एपी। मध्य नाइजीरिया में भारी बारिश के बाद शुक्रवार को मोकवा शहर में आई बाढ़ से कम से कम 111 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्थानीय सरकारी अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश बृहस्पतिवार को कई घंटों तक जारी रही। अधिकारियों के हवाले से मीडिया खबरों में कहा गया है कि निकटवर्ती शहर में बांध टूटने से स्थिति और खराब हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बाढ़ के कारण बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हुए हैं।

रूस के साथ वार्ता फिर शुरू करने के लिए तैयार : यूक्रेन

कीव/एपी। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के एक शीर्ष सलाहकार ने बताया कि यूक्रेन सोमवार को इस्तांबुल में रूस के साथ प्रत्यक्ष शांति वार्ता फिर शुरू करने के लिए तैयार है। रूस द्वारा प्रस्तावित बैठक में यूक्रेन के भाग लेने की संभावना पर अनिश्चितता बनी रहने के कुछ दिनों बाद शीर्ष सलाहकार आंद्रेई यरमक का यह बयान आया है। यूक्रेनी अधिकारियों ने हालांकि जोर देकर कहा कि दोनों प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए बैठें, इससे पहले क्रेमलिन तीन वर्ष से अधिक समय से जारी युद्ध को समाप्त करने पर अपना रुख जाहिर करे। आंद्रेई यरमक ने बृहस्पतिवार देर रात यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय की वेबसाइट पर जारी एक बयान में कहा, यूक्रेन अगली बैठक में भाग लेने के लिए तैयार है, लेकिन हम सार्थक चर्चा में शामिल होना चाहते हैं। यरमक ने कहा, इसका मतलब यह है कि रूस से मसौदा प्राप्त करना बहुत जरूरी है।

31-05-2025 सूर्यास्त 6:42 बजे	01-06-2025 सूर्योदय 5:52 बजे
BSE 81,451.01 (-182.02)	NSE 24,750.70 (-82.90)
सोना 10,098 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 100,550 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जिंदगी का मजहब

जिसे तुम मजहब कह रहे हो,
केवल वो ही सही नही है।
सभी जानते हैं इसके मायने,
बस तुम ने ही कही नहीं है।
ये जन्नत-मन्नत और चाहतें,
सच में किसीको रही नहीं है।
आदमी की जिंदगी है ये,
बनिये की खाताबही नहीं है।।

अपने नागरिकों और सीमाओं से कोई छेड़छाड़ बरदाश्त नहीं करेगा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सीमा- पार से हुए हमले से प्रभावित लोगों के परिवारों को आज यहां सरकारी नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। इस दौरान अपने संबोधन में केंद्रीय गृह मंत्री ने पुंछ में रिहायशी इलाकों, मंदिरों, गुरुद्वारों और मदरसों पर पाकिस्तान द्वारा किए गए कायराना हमलों से प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मुआवजा और सरकारी नौकरियां जानमाल के नुकसान की पूरी भरपाई नहीं कर सकती हैं लेकिन वे जम्मू-कश्मीर सरकार, भारत सरकार और पूरे देश के लोगों की भावनाओं का प्रतीक जरूर हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पूरा देश इस समय चट्टान की तरह उनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा 'पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर घाटी से लेकर पुंछ और कठुआ तक के नागरिकों में जो देशभक्ति की भावना उभरी है उसने पूरे देश के लोगों के संकल्प को मजबूत किया है।'

शाह ने कहा ' पहलगाम में निर्दोष तीर्थयात्रियों पर कायरतापूर्ण आतंकवादी हमला हुआ और उसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आतंकवादी हमलों का तत्परता और गंभीरता से जवाब देने की नीति के तहत हमने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया।'

उन्होंने कहा कि पहली बार भारतीय सेना ने पाकिस्तान की सीमा में स्थित आतंकवादी संगठनों के मुख्यालयों को ध्वस्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दृढ़ निश्चय, हमारी एजेंसियों की सटीक खुफिया जानकारी और सेना के अदम्य साहस और कार्रवाई के कारण सैकड़ों आतंकवादियों का सफाया किया जा सका।

पुरस्कार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में 15 नर्सों को वर्ष 2025 के लिए राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार प्रदान किए। राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार की शुरुआत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने उत्कृष्ट नर्सिंग कर्मियों द्वारा की गई सराहनीय सेवाओं को सम्मानित करने के लिए की थी। प्रत्येक पुरस्कार विजेता को प्रमाण पत्र, एक लाख रुपये नकद और पदक प्रदान किये गए। इस वर्ष की पुरस्कार विजेताओं में विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की नर्सिंग पेशेवर शामिल हैं।

7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली/भाषा। जनवरी-मार्च तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने के बल पर वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करते हुये दुनिया की 'सबसे तेजी से बढ़ने वाली' अर्थव्यवस्था का तमगा बरकरार रखा, लेकिन यह वृद्धि दर चार वर्ष में सबसे कम है। केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा शुक्रवार को जारी जीडीपी के आंकड़ों के अनुसार अंतिम तिमाही जनवरी-मार्च में जीडीपी उम्मीद से बेहतर 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जो पिछली तीन तिमाहियों से अधिक है। वित्त वर्ष 2023-24 की अंतिम तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 8.4 प्रतिशत रही थी। दिसंबर में समाप्त तीसरी तिमाही के जीडीपी के आंकड़ों को संशोधित कर 6.4 प्रतिशत कर दिया गया है। मार्च 2025 में समाप्त तिमाही में नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 10.8 रहने का अनुमान लगाया गया है। एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में वास्तविक जीडीपी में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है।

भारत कभी 'परमाणु ब्लैकमेल' के आगे नहीं झुकेगा : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वडोदरा (गुजरात)/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि भारत कभी 'परमाणु ब्लैकमेल' के आगे नहीं झुकेगा और जो लोग आतंकवाद को प्रायोजित, पोषित और इसका इस्तेमाल करते हैं, उन्हें भारी कीमत चुकानी चाहिए।

जयशंकर ने यहां पारुल विश्वविद्यालय के विदेशी विद्यार्थियों के दीक्षांत समारोह में कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में ''खुलेआम आदान-प्रदान'' करना एक चलन बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत विश्वास के आधार पर साझेदारी बनाने में भरोसा रखता है।

मंत्री ने कहा, ''भारत कभी भी किसी भी तरह के 'परमाणु ब्लैकमेल' के आगे नहीं झुकेगा।'' उन्होंने कहा, ''पहलगाम में (आतंकवादी हमले में) हमने जो देखा वह केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की पर्यटन अर्थव्यवस्था को तबाह करने का प्रयास था, साथ ही धार्मिक विवाद पैदा करने की एक साजिश भी थी।'' उन्होंने कहा, ''हत्याओं की बर्बरता के लिए एक अनुकरणीय प्रतिक्रिया की आवश्यकता थी, जो आतंकवादी ढांचों को नष्ट करके दी गई, विशेष रूप से बहावलपुर और मुरीदके में। यह जरूरी है कि जो लोग आतंकवाद को प्रायोजित, पोषित और अपने उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करते हैं, उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़े।'' जयशंकर ने कहा कि समय बदल गया है और आतंकवाद के केंद्र अब जवाबी कार्रवाई से अछूते नहीं रह गए हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के प्रति भारत की कतई न सहन करने की नीति उसके कार्यों से स्पष्ट होती है।

प्रशिक्षण विमान हवाई पट्टी पर पलटा, महिला पायलट सुरक्षित

सिवनी/भाषा। मध्यप्रदेश के सिवनी जिले में सुकतारा हवाई पट्टी पर शुक्रवार सुबह गलत लैंडिंग के कारण प्रशिक्षण विमान पलट गया, लेकिन इसकी प्रशिक्षु महिला पायलट सुरक्षित है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि विमान गलत लैंडिंग के कारण पलटा। हवाई पट्टी सिवनी जिला मुख्यालय से 22 किलोमीटर दूर है। अधिकारी ने बताया कि विमान उड़ा रही प्रशिक्षु महिला पायलट को कोई गंभीर चोट नहीं आई है। हवाई पट्टी का रखरखाव मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग करता है।

पिछले एक दशक में 17 करोड़ रोजगार के अवसर पैदा हुए : मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने पिछले एक दशक में 17 करोड़ रोजगार के अवसर पैदा किए हैं जबकि इससे पहले के दशक में सिर्फ 4.5 करोड़ रोजगार अवसर ही सृजित हुए थे।

केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा वर्ष 2014 में सत्ता में आई थी और उसके पहले 2004 से 2014 तक कांग्रेस की अगुवाई वाले गठबंधन की सरकार थी। मांडविया में उद्योग मंडल सीआईआई के 'वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2025' को संबोधित करते हुए कहा कि देश में बेरोजगारी दर 3.2 प्रतिशत है, जो विकसित दुनिया के आसपास है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब देश में रोजगार उपलब्ध है क्योंकि भारत अब एक निवेश गंतव्य बन चुका है। मंत्री ने कहा, पिछले एक दशक में भारत में 17 करोड़ रोजगार के अवसर खुले। इससे पहले के दशक में 4.5 करोड़ नौकरियां पैदा हुई थीं। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में निवेश का केंद्र इसलिए बना क्योंकि यह एक पारदर्शी लोकतंत्र है और न्यायपालिका योग्यता के आधार पर न्याय दे रही है। इसके अलावा भारत में उपभोक्ताओं की क्रय-शक्ति बढ़ रही है और यह एक बड़े बाजार के रूप में उभर रहा है।

मांडविया ने कहा कि देश के हर विवि में 'शिक्षा से रोजगार लाउंज' गठित होगा जिसका संचालन उद्योग निकाय करेंगे और केंद्र सरकार की तरफ से उन्हें लॉजिस्टिक समर्थन दिया जाएगा। उन्होंने कहा, मैं सरकार, उद्योग निकायों और विश्वविद्यालयों के सहयोग से इस मंच का संचालन सुनिश्चित करूंगा। इस करियर लाउंज में सभी युवाओं को उनकी योग्यता के हिसाब से नौकरी के अवसर मिलेंगे।

न्यूनतम 10 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले सरकारी कर्मचारियों को यूपीएस के तहत मिलेगा अतिरिक्त लाभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि 31 मार्च, 2025 को या उससे पहले न्यूनतम 10 वर्ष की सेवा पूरी कर सेवानिवृत्त हुए केंद्र सरकार के एनपीएस खाताधारक या उनके जीवनसाथी एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के तहत अतिरिक्त लाभ का दावा कर सकते हैं। यह पहले से दावा किए गए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) लाभों के अतिरिक्त है।

योजना के अनुसार, यूपीएस का विकल्प चुनने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारी को प्रत्येक पूर्ण की गई छह महीने की सेवा के लिए अंतिम मूल वेतन और उस पर महंगाई भत्ते के दसवें हिस्से का एकमुश्त भुगतान मिलेगा। साथ ही एनपीएस के तहत मासिक टॉप-अप राशि की गणना स्वीकार्य यूपीएस भुगतान और महंगाई राहत (डीआर) से एनपीएस के तहत प्राप्त पेंशन राशि को घटाकर की जाती है। इसमें कहा गया कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को लागू पीपीएफ दरों के अनुसार साधारण ब्याज भी दिया जाएगा।

ऐसे कर्मचारियों या उनके जीवनसाथी द्वारा दावा करने की अंतिम तारीख 30 जून, 2025 है। वित्त मंत्रालय ने जनवरी में एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को अधिसूचित किया था, जो सेवानिवृत्ति से पहले पिछले 12 महीनों में मिले औसत मूल वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर पेंशन का वादा करती है।

यूपीएस उन केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों पर लागू होगा जो राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत आते हैं और जो यह विकल्प चुनते हैं। अधिसूचना के अनुसार, पूरी तरह सुनिश्चित भुगतान की दर सेवानिवृत्ति से ठीक पहले 12 महीने के औसत मूल वेतन का 50 प्रतिशत होगी। इससे 23 लाख सरकारी कर्मचारियों को यूपीएस और एनपीएस के बीच चयन करने का विकल्प मिला। एनपीएस एक जनवरी, 2004 को लागू हुआ था।

सरकार के 100 दिन पूरे होने पर दिल्ली की मुख्यमंत्री ने उपलब्धि पुस्तिका जारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राष्ट्रीय राजधानी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार के 100 दिन पूरे होने पर उसकी उपलब्धियों के संबंध में शुक्रवार को एक कार्य पुस्तिका जारी की और कहा कि उनकी सरकार चौबीसों घंटे लोगों की सेवा के लिए समर्पित है।

'काम करने वाली सरकार: 100 दिन सेवा के' शीर्षक वाली कार्य पुस्तिका में दिल्ली में सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न पहल और परियोजनाओं पर प्रकाश डाला गया है, जिनमें यमुना की सफाई, आयुष्मान भारत का कार्यान्वयन, वय वंदना योजना, टैंकर के माध्यम से जलापूर्ति को बढ़ावा देना और ई-बस खरीद शामिल हैं।

इसमें शहर के अंधेरे कोनों को रोशन करने, गर्मी से निपटने के लिए कार्ययोजना लागू करने और दिल्ली अग्निशमन सेवा के लिए 500 करोड़ रुपए आवंटित करने का भी उल्लेख किया गया है। गुप्ता ने कहा कि उनकी सरकार चौबीसों घंटे लोगों की सेवा के लिए समर्पित है। उन्होंने अपनी टीम के सभी मंत्रियों और कर्मियों को उनके काम के लिए बधाई दी और कहा कि उनकी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उन्होंने दिल्ली के लोगों के लिए ईमानदारी से काम किया। उन्होंने कहा, ''हमने लोगों के लिए चौबीसों घंटे काम किया है। ऐसी सरकार जो दिल्ली के लोगों के लिए पूरी तरह से समर्पित है, वह अपने आप में एक नया मॉडल है और यही हमारी सबसे बड़ी सफलता है।''

डेढ़ किलो सोने के लिए अगवा किए कांग्रेस विधायक के रिश्तेदार को छुड़ाया गया

रायसेन/भाषा। मध्यप्रदेश में कांग्रेस विधायक देवेंद्र पटेल के करीबी रिश्तेदार दो वर्षीय बच्चे को अपहरण के कुछ घंटों बाद ही छुड़ा लिया गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने इस सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें बच्चे के दो रिश्तेदार भी शामिल हैं। आरोपियों ने फिरौती के तौर पर 1.5 किलोग्राम सोना मांगा था।

विधायक पटेल के भतीजे योगेंद्र पटेल के बच्चे को बृहस्पतिवार सुबह रायसेन जिले में उसके घर से अगवा किया गया था और पुलिस ने उसे देर रात करीब 200 किलोमीटर दूर छिंदवाड़ा जिले के तामिया कस्बे से छुड़ाया। रायसेन जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) पंकज पांडे ने बताया कि मुख्य आरोपी अरविंद पटेल बच्चे का दादा है। एसपी ने बताया, हमने बच्चे की तलाश के लिए 11 पुलिस टीमें गठित कीं और सुरागों के आधार पर हमने छिंदवाड़ा जिले के तामिया पर ध्यान केंद्रित किया, जहां से अपहृत लड़के को अरविंद पटेल के दोस्त के घर से बरामद किया गया। उन्होंने बताया, बचाए जाने के बाद बच्चे को उसके परिजनों को सौंप दिया गया।

कांग्रेस भारतीय सशस्त्र बलों का 'अपमान' कर रही है: केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने शुक्रवार को राहुल गांधी और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी जैसे कांग्रेस नेताओं पर देश के बहादुर सशस्त्र बलों को सुबह-शाम नीचा दिखाने का आरोप लगाया।

केंद्रीय मंत्री की यह टिप्पणी रेवंत रेड्डी की उस मांग के जवाब में आई है जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से 140 करोड़ भारतीयों को यह बताने को कहा था कि हालिया संघर्ष के दौरान पाकिस्तानी सेना ने कितने राफेल विमान मार गिराए। किशन रेड्डी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस और उसके नेता सस्ती और गंदी राजनीति का सहारा ले रहे हैं, यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाया है और संदेह जताया है, यह पहली बार नहीं है जब वे हमारे सशस्त्र बलों का मनोबल गिरा रहे हैं, यह पहली बार नहीं है जब वे दुश्मन की भाषा बोल रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी की तेलंगाना इकाई के प्रमुख किशन रेड्डी ने पूछा, कांग्रेस भारत के प्रति वफादार है या.... ? बृहस्पतिवार को यहां 'जय हिंद' रैली को संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने यह भी जानना चाहा कि प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान के साथ युद्ध शुरू करने से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई थी, लेकिन पड़ोसी देश के साथ सशस्त्र संघर्ष समाप्त करने से पहले उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया था कि 140 करोड़ भारतीयों की इच्छा के बावजूद मोदी बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग करने और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर नियंत्रण करने में विफल रहे।

स्वदेशी एआई फाउंडेशन मॉडल बनाने के लिए तीन अन्य टीमों का चयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने कृत्रिम मेधा (एआई) के स्वदेशी फाउंडेशन मॉडल के निर्माण के लिए सर्वम एआई के बाद शुक्रवार को तीन और टीम- सॉकेट एआई, गण एआई एवं ज्ञानी एआई का चयन किया। अपनी वैश्विक एआई महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप भारत ने 16,000 अतिरिक्त जीपीयू (ग्राफिक्स प्रसंस्करण इकाई) की उपलब्धता की भी घोषणा की। इसके साथ ही स्टार्टअप और शोधकर्ताओं के लिए यहां उपलब्ध 'कंप्यूट' सुविधा 34,000 जीपीयू तक पहुंच जाएगी।

भारत ने स्वदेशी स्तर पर एआई मॉडल के विकास की एक व्यापक योजना बनाई हुई है जिसमें उन्नत एआई बुनियादी ढांचे और स्थानीय भाषा मॉडल का विकास भी शामिल है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण पर ध्यान देने के साथ 'इंडिया एआई मिशन' पर महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि 34,000 जीपीयू से सुसज्जित कंप्यूटिंग सुविधा भारत को बड़े पैमाने पर एआई पारिस्थितिकी के विकास में सक्षम बनाएगी।

वैष्णव ने कहा कि स्वदेशी एआई फाउंडेशन मॉडल बनाने के लिए तीन और टीमों- सॉकेट एआई, गण एआई एवं ज्ञानी एआई का चयन किया गया है। सर्वम की तरह इन तीन टीमों के सामने भी बहुत बड़ा लक्ष्य है। चाहे वे जिस भी क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हैं, उन्हें दुनिया के शीर्ष पांच में शामिल होना चाहिए। जनरेटिव यानी सृजन से जुड़े एआई में इस्तेमाल होने वाले फाउंडेशन मॉडल आकार में विशाल और पूर्व-प्रशिक्षित मॉडल होते हैं जो विभिन्न प्रकार के एआई अनुप्रयोगों के लिए आधार बनाते हैं। इस साल अप्रैल में 'सर्वम एआई' को भारत का पहला स्वदेशी एआई फाउंडेशन मॉडल बनाने के लिए चुना गया था, जो देश के एआई नवाचार परिवेश में एक मील का पत्थर साबित हुआ।

'बाहुबली' और 'आरआरआर' को तेलंगाना सरकार के 'गदर फिल्म पुरस्कार' के लिए चुना गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना सरकार द्वारा वर्ष 2014 से 2023 के लिए घोषित गदर फिल्म पुरस्कारों के वास्ते चयनित फिल्मों में दिग्गज फिल्म निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'बाहुबली-2' और 'आरआरआर' को भी शामिल किया गया है।

पुरस्कार चयन समिति के अध्यक्ष और दिग्गज अभिनेता व निर्माता मुरली मोहन ने शुक्रवार को छह अन्य पुरस्कार विजेताओं के नाम भी घोषित किए। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 की सर्वश्रेष्ठ फिल्म के पुरस्कार के लिए 'बाहुबली द कन्क्लूजन' को चुना गया, जबकि वर्ष 2021 के लिए पहला स्थान 'आरआरआर' को दिया गया। 'पुष्पा' के निर्देशक सुकुमार को 'बी एन रेड्डी फिल्म पुरस्कार (तेलुगु फिल्म निर्देशक)' के लिए चुना गया है। दिग्गज अभिनेता व निर्माता मुरली मोहन ने बताया कि सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के पुरस्कार के लिए 'कल्कि 2898 एडी' चुनी गई है, जबकि तेलुगु सिनेमा के दिग्गज अभिनेता अल्लू अर्जुन को उनकी फिल्म 'पुष्पा 2' में उत्कृष्ट अभिनय के लिए 'गदर तेलंगाना फिल्म अवॉर्ड्स (जीटीएफए) 2024' में सर्वश्रेष्ठ मुख्य अभिनेता के रूप में चुना गया है।

ओयो की मूल कंपनी का नाम बदलने की योजना

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक यात्रा प्रौद्योगिकी मंच ओयो के संस्थापक रितेश अग्रवाल ने अपनी मूल कंपनी ओरावेल स्टेज के लिए नाम के सुझाव आमंत्रित किए हैं।

यह एक रणनीतिक कदम ऐसे समय उठाया जा रहा है जब ओयो अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही है और प्रीमियम खंड में और पेशकश करने की योजना बना रही है। रणनीति से परिचित लोगों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि इस बात की काफी संभावना है कि इस प्रक्रिया के दौरान चुना गया नाम उस प्रीमियम होटल ऐप का नाम हो सकता है जिसे ओयो निकट भविष्य में पेश करने की योजना बना रही है।

अग्रवाल ने एक ''नई पहचान'' गढ़ने में मदद के उद्देश्य से नाम के सुझाव मांगने के लिए सोशल मीडिया मंच का सहारा लिया। ओयो के संस्थापक ने बृहस्पतिवार को कहा, '' हम मूल कंपनी का नाम बदल रहे हैं। होटल श्रृंखला नहीं, उपभोक्ता उत्पाद नहीं - बल्कि शहरी नवाचार एवं आधुनिक जीवन के वैश्विक परिवेश को सशक्त बनाने वाली मूल कंपनी। हमारा मानना है कि अब समय आ गया है कि दुनिया के पास एक नए तरह का वैश्विक ब्रांड हो जिसका गढ़ भारत में हो, लेकिन दुनिया के लिए बनाया गया हो।''

उच्चतम न्यायालय में तीन न्यायाधीशों ने शपथ ली, न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 34 हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई ने शुक्रवार को न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया, न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई और न्यायमूर्ति ए. एस. चांदुरकर को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई।

प्रधान न्यायाधीश ने उच्चतम न्यायालय परिसर में आयोजित एक समारोह में न्यायाधीशों को शपथ दिलाई। इन न्यायाधीशों के शपथ ग्रहण के साथ ही शीर्ष अदालत में प्रधान न्यायाधीश सहित पूर्ण कार्यरत न्यायाधीशों की संख्या 34 हो गई है। उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम ने सोमवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अंजारिया, गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बिश्नोई और बंबई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति चांदुरकर को शीर्ष अदालत के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर उनकी नियुक्ति की घोषणा की। पूर्व प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय के सेवानिवृत्त होने के बाद शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की तीन मौजूदा रिक्तियों के लिए उनके नामों की सिफारिश की गई थी।

न्यायमूर्ति अंजारिया ने 25 फरवरी, 2024 को कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी। इससे पहले, उन्हें 21 नवंबर, 2011 को गुजरात उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था और छह सितंबर, 2013 को स्थायी न्यायाधीश के रूप में पुष्टि की गई थी।

स्वदेशी जागरण मंच विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करने के लिए चलाएगा अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्वदेशी जागरण मंच (एसजेएम) ने शुक्रवार को कहा कि वह लोगों को स्वदेशी उत्पादों के उपयोग और विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के वास्ते प्रोत्साहित करने के लिए जल्द ही एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करेगा।

एसजेएम के राष्ट्रीय सह-संयोजक अश्विनी महाजन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हालिया आह्वान के बाद 'स्वदेशी, सुरक्षा और स्वावलंबन अभियान' को फिर चालू करने और इसे देश में पुन: एक 'जनांदोलन' का रूप देने का निर्णय लिया गया है। महाजन ने कहा, '' हाल में गांधीनगर (गुजरात) में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमें हर गांव में व्यापारियों को यह शपथ दिलानी होगी कि वे विदेशी सामान नहीं बेचेंगे, चाहे उन्हें कितना भी मुनाफा क्यों न हो।'' उन्होंने कहा कि स्वदेशी जागरण मंच प्रधानमंत्री के स्वदेशी आह्वान का स्वागत करता है तथा देश के सभी संस्थानों, संगठनों और व्यक्तियों से प्रधानमंत्री के आह्वान का समर्थन करने की अपील करता है। महाजन ने कहा, ''एसजेएम जल्द ही 'स्वदेशी, सुरक्षा और स्वावलंबन अभियान' का फिर आह्वान करेगा। इस अभियान का उद्देश्य आत्मनिर्भरता एवं देश को विदेशी आक्रमण से बचाने के लिए युवाओं और महिलाओं पर विशेष जोर देते हुए व्यापारियों, उद्योगपतियों और टेक्नोक्रेट्स समेत सभी देशवासियों को विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करने और स्वदेशी उत्पादों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।'' उन्होंने कहा कि एसजेएम पहले से ही इस संबंध में एक 'बड़ी पहल' करने और इसे जनांदोलन बनाने की योजना बना रहा है ताकि लोगों को विदेशी वस्तुओं के बजाय स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। महाजन ने कहा कि यह सच है कि ''देशभक्त लोगों'' द्वारा चीनी और अन्य विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करने के बावजूद, पिछले कुछ वर्षों में चीन से आयात में वृद्धि हुई है।

न्यूजीलैंड के उप प्रधानमंत्री से मिले राहुल, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को यहां न्यूजीलैंड के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स से मुलाकात की, जिस दौरान दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने, साझा लोकतांत्रित मूल्यों तथा वैश्विक सहयोग से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई।

इस मुलाकात के दौरान लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई भी मौजूद थे। राहुल गांधी ने इस मुलाकात की तस्वीरें फेसबुक पर पोस्ट करते हुए कहा,

''न्यूज़ीलैंड के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री से मिलना सुखद रहा। दोनों देशों के बीच के संबंधों को मजबूत करने, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और तेजी से जटिल होती दुनिया में वैश्विक सहयोग के महत्व पर गर्मजोशी भरी बातचीत हुई।''

न्यूजीलैंड के उप प्रधानमंत्री इन दिनों भारत के दौरे पर हैं।

बहुचर्चित अंकिता हत्याकांड में तीनों दोषियों को आजीवन कारावास की सजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटद्वार/भाषा। उत्तराखंड में कोटद्वार की एक स्थानीय अदालत ने बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड के मुख्य आरोपी पुलकित आर्य सहित तीनों आरोपियों को शुक्रवार को दोषी ठहराते हुए आजीवन कठोर कारावास की सजा सुनाई।

विशेष लोक अभियोजक अवनीश नेगी ने यहां बताया कि कोटद्वार की अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रीना नेगी ने आर्य पर 72 हजार रुपए तथा अन्य दो आरोपियों- सौरभ भास्कर तथा अंकित गुप्ता प्रत्येक पर 62,000 का जुर्माना भी लगाया है। उन्होंने बताया कि अदालत ने आर्य को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी ठहराते हुए कठोर आजीवन कारावास व 50,000 रुपए जुर्माना, धारा 201 के तहत पांच वर्ष कठोर कारावास तथा 10,000 रुपए जुर्माना, धारा 354 क में दो वर्ष का कठोर कारावास व 10,000 जुर्माना तथा अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम (आईटीपीए) की धारा 5(1)घ में पांच वर्ष का कठोर कारावास व 2,000 रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई। नेगी ने बताया कि भास्कर व गुप्ता को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत कठोर आजीवन कारावास व 50,000 रुपए जुर्माना, धारा 201 में पांच वर्ष कठोर कारावास व 10,000 रुपए जुर्माना एवं आईटीपीए की धारा 5(1)घ में पांच वर्ष का कठोर कारावास व 2,000 रुपए जुर्माने की सजा सुनाई। उन्होंने बताया कि दोषियों की सभी सजाएं एक साथ चलेंगी। नेगी ने बताया कि अदालत ने सरकार को चार लाख रुपए प्रतिकर के रूप में अंकिता के माता-पिता को देने का भी आदेश दिया है।

अंकिता की सितंबर 2022 में हत्या कर दी गयी थी। इस मामले की ढाई साल से अधिक समय तक चली सुनवाई के बाद 19 मई को अदालत ने शुक्रवार का दिन फैसला सुनाने के लिए तय किया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन

NAME CONFIRMATION
I, PARMELA am legallly wedded spouse of Army No.: 4084658F, Rank SEP, Name Pratap Singh, Residing at 1014 DSC PL at HAL, Bengaluru. I have changed my name from PARMELA (existing name of spouse as per record) to PRAMILA DEVI (Reason for change due to spelling mistake) and my date of birth is 10th May 1985 (As per my husband service record) to 10th April 1986 (as per Birth Certificate & Aadhar Card). That both names PARMELA and PRAMILA DEVI pertain to one and same person, vide affidavit dated 27-05-2025, Sworn to before Advocate & Notary S. SUBASHINI, Bengaluru.

जीडीपी वृद्धि दर काफी कम, सरकार ध्यान भटकाने की कोशिश में : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर मौजूदा परिस्थितियों में काफी कम है, लेकिन सरकार ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है।

विनिर्माण क्षेत्र के कमजोर प्रदर्शन से देश की आर्थिक वृद्धि वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में धीमी होकर 7.4 प्रतिशत रही। इसके साथ ही पूरे वित्त वर्ष के दौरान जीडीपी वृद्धि दर घटकर चार साल के निचले स्तर 6.5 प्रतिशत पर आ गई।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2024-2025 में जीडीपी वृद्धि के लिए अपने अनंतिम अनुमान जारी किए हैं। वार्षिक वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6.5 प्रतिशत है, जो वित्त वर्ष 2022-23 में भी देखी गई वृद्धि से तेज गिरावट और प्रधानमंत्री के रूप में डॉ. मनमोहन सिंह के एक दशक के कार्यकाल के दौरान रही सालाना 7.7 प्रतिशत के उच्च विकास दर के रिकॉर्ड से बहुत दूर है।'' उन्होंने कहा कि जनवरी-मार्च, 2025 में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि एक साल पहले के 11.3 प्रतिशत के मुकाबले 4.8 प्रतिशत थी, लेकिन इस वास्तविकता को देखने के बजाय सरकार ने एक बार फिर चीजों से ध्यान भटकाने का रास्ता अपनाया है। रमेश ने कटाक्ष करते हुए कहा कि 'मेक इन इंडिया' शुरू होने के 11 साल बाद कहा जा रहा है कि इसके प्रारंभिक परिणाम देखने के लिए अभी और इंतजार करना होगा।

कर्नाटक के तटीय इलाकों में मूसलाधार बारिश और भूस्खलन से तीन लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण तीन लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार रात को यहां निकट मोंटेपदावु कोडी में हुए भूस्खलन की चपेट में आने से एक घर के पांच लोग मलबे में दब गए। अधिकारियों ने बताया कि मलबे से एक महिला व उसके बच्चे को निकाला गया और गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया हालांकि महिला का एक अन्य बच्चा मृत पाया गया। अधिकारियों के मुताबिक, भारी बारिश और घटनास्थल तक सीमित पहुंच के कारण बचाव अभियान में बाधा आ रही है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और स्थानीय पुलिस मलबे में फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान में जुटी है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भूस्खलन के दौरान घर के अंदर मौजूद एक अन्य महिला मृत पाई गई, जबकि उसका बेटा सीताराम भूस्खलन की आवाज सुनकर बाहर निकल गया और बाल-बाल बच गया। उन्होंने बताया कि एक अन्य व्यक्ति की पहचान कंटप्पा पुजारी के रूप में हुई है, जो भूस्खलन की चपेट में आने से घायल हो गया और उसे स्थानीय लोगों ने बचाकर अस्पताल में भर्ती कराया।

चुनौतीपूर्ण मौसम और भू-भाग की स्थितियों के बावजूद बचाव दल प्रयास जारी रखे हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, मंगलूरु के डेरालाकाटे में एक अन्य घटना में शुक्रवार की सुबह एक मकान की दीवार ढह गई। इस घटना में छह साल की बच्ची की मौत हो गई जिसकी पहचान फातिमा नईम के रूप में हुई है। राज्य के तटीय क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण अधिकारियों ने क्षेत्र के संवेदनशील इलाकों के लिए चेतावनी जारी की थी। स्थानीय आपदा प्रतिक्रिया दल और जिला अधिकारियों के समन्वय से राहत एवं बचाव अभियान जारी है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने दक्षिण कन्नड़ जिले में रात भर हुई बारिश के कारण भूस्खलन और दीवार गिरने की घटनाओं की पूरी जानकारी लेने के बाद जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडूराव और दक्षिण कन्नड़ जिले के उपायुक्त को तत्काल घटनास्थल पर जाकर निरीक्षण करने, आवश्यक कार्रवाई करने और उन्हें रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने बेंगलूरु के विधान सौध में सभी जिला उपायुक्तों और जिला पंचायतों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान ये निर्देश जारी किए।

दक्षिण कन्नड़ जिले में भारी बारिश के कारण उल्लाल तालुक के विभिन्न हिस्सों में भूस्खलन हुआ है औरइस बारे में विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने जिलाधिकारियों को एहतियाती उपाय और बचाव कार्यों के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। दक्षिण कन्नड़ जिले में भारी बारिश हो रही है और उल्लाल तालुक के बेलमा और मंजनाडी गांवों में भूस्खलन हुआ है, जिससे जानमाल का नुकसान हुआ है और उल्लाल नगर निगम की सीमा के अंतर्गत उल्लाल बैलू, अक्कारेकेरे, मिल्लत नगर, चिला, अलेकला, सुंदरीबाग, कुम्पाला, कनिर थोटा, उछिला जैसे निचले इलाकों में कृत्रिम बाढ़ के कारण घरों में पानी घुस गया है, जिससे संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। स्पीकर यू.टी. खादर ने कहा कि मैंने एहतियाती उपायों और आवश्यक बचाव कार्यों के बारे में दक्षिण कन्नड़ जिलाधिकारियों से बात की है और उन्हें एनडीआरएफ जैसी बचाव टीमें तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

कर्नाटक में 125 साल के इतिहास में पहली बार मई में सबसे अधिक बारिश हुई है : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को कहा कि पिछले 125 वर्षों में पहली बार राज्य में मई महीने में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई है और 28 जिलों में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। सिद्दरामय्या ने सभी जिलों के उपायुक्तों और जिला पंचायतों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में निर्देश दिया कि वे बारिश से जिन क्षेत्रों में क्षति पहुंची है, उनका तुरंत दौरा करें और प्रभावितों को आवश्यक मुआवजा प्रदान करें। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक, सिद्दरामय्या ने अधिकारियों से कहा, ''बारिश से हुए नुकसान की भरपाई के लिए धनराशि की कोई कमी नहीं है। जिलों में एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष) के तहत 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि उपलब्ध है।'' उन्होंने कहा कि ''भारी बारिश से मकान क्षतिग्रस्त होने पर मुआवजा देने के लिए पहले ही दिशानिर्देश जारी कर दिये गए हैं; तत्काल मुआवजा मुहैया कराया जाना चाहिए''।

सिद्दरामय्या ने कहा कि जिन स्थानों पर भूस्खलन की आशंका है, वहां संभावित मौतों को रोकने के लिए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने सहित एहतियाती उपाय किए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि बारिश के कारण मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो जाता है, तो 1.20 लाख रुपये का तत्काल मुआवजा प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने उपायुक्तों से कहा कि वे पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी ऐसे लोगों को नए मकान उपलब्ध करवाकर कार्रवाई करें।

भाजपा एवं अन्य संगठन उकसाने का काम कर रहे, दक्षिण कन्नड़ में कायम करेंगे शांति : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अन्य संगठनों पर लोगों को उकसाने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि सरकार सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील तटीय क्षेत्र, विशेषकर दक्षिण कन्नड़ जिले में स्थिति को नियंत्रण में लायेगी। शिवकुमार ने यह टिप्पणी बंटवाल तालुक में मंगलवार को 32 वर्षीय अब्दुल रहमान की हत्या के बाद दक्षिण कन्नड़ जिले में कथित रूप से बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति पर की। सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील दक्षिण कन्नड़ जिले में रहमान की हत्या से पहले एक मई को एक हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या कर दी गयी थी।

शिवकुमार ने कहा, ''सब कुछ नियंत्रण में आ जायेगा। भाजपा और कई संगठन कर्नाटक में भड़काने का काम कर रहे हैं। उन्हें समझना चाहिए कि नुकसान किसका है। नुकसान कर्नाटक और दक्षिण कन्नड़ जिले का है। लोग पलायन कर रहे हैं। पहले से ही युवा बाहर जा रहे हैं क्योंकि उन्हें नौकरी नहीं मिल रही है। हम रोजगार सृजित करने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि कुछ अल्पसंख्यक चिंता व्यक्त कर रहे हैं।

शिवकुमार ने कहा, ''मैं अपनी (कांग्रेस) पार्टी से एक टीम भी भेज रहा हूं। वह कल जायेगी और एक रिपोर्ट सौंपेगी। अधिकारी और नौकरशाह जो करते हैं वह अलग है। हमारी (पार्टी की) टीम सभी वर्गों के लोगों से मिलेगी और एक रिपोर्ट सौंपेगी। वहां चिंता की स्थिति है, लेकिन हमारी सरकार इसे हर तरह से नियंत्रित करने के लिए प्रतिबद्ध है।'' इस बीच गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि सरकार ने तटीय क्षेत्र में हुई हिंसक घटनाओं को गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि ऐसी चीजें बर्दाश्त नहीं की जायेंगी क्योंकि दक्षिण कन्नड़ जिले एवं क्षेत्र में शांति होनी चाहिए। उन्होंने कहा, शांति भंग करने की कोशिश करने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा...स्थिति ऐसी थी कि हमें कुछ अधिकारियों का तबादला करना पड़ा। इसलिए मंगलुरु के आयुक्त, दक्षिण कन्नड़ और उडुपी के पुलिस अधीक्षकों को बदल दिया गया है। स्थानीय लोगों की ओर से बदलाव की मांग की जा रही थी। मुख्यमंत्री और मैंने नव नियुक्त अधिकारियों को शांति सुनिश्चित करने के लिए सभी सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। हम निगरानी करेंगे। गृह मंत्री ने कहा कि उन्होंने नवगठित सांप्रदायिकता विरोधी बल' की तैनाती के बारे में पुलिस महानिदेशक से चर्चा की है। उन्होंने कहा, आज से ही इसकी संरचना पर काम शुरू हो जाएगा और फिर उन्हें दक्षिण कन्नड़, उडुप्पी और शिवमोगा जिलों में तैनात किया जाएगा। उन्हें शांति बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए जाएंगे।

परमेश्वर ने नफरती भाषण देने वालों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर अनावश्यक पोस्ट को नियंत्रित किया जाएगा। उन्होंने आने वाले दिनों में और अधिकारियों के तबादलों के बारे में भी संकेत दिया। यह पूछे जाने पर कि क्या दक्षिण कन्नड़ में हुई हत्याओं के पीछे राजनीति है, उन्होंने कहा, ''हम पता लगा रहे हैं, इसके पीछे कौन लोग हैं। उसी अनुसार, कार्रवाई की जाएगी।''

सिद्दरामय्या ने 'सीएम डैशबोर्ड' लॉन्च किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'मुख्यमंत्री डैशबोर्ड' (सीएम डैशबोर्ड) नामक एक मंच शुक्रवार को लॉन्च किया गया, जो कर्नाटक में प्रमुख विकास संकेतकों पर वास्तविक समय में एकीकृत जानकारी देगा।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने यहां राज्य विधानमंडल और सचिवालय विधान सौधा में सभी जिलों के उपायुक्तों और सभी जिला पंचायतों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान इसका शुभारंभ किया। सेंटर फॉर ई-गवर्नेंस (सीईजी) द्वारा आंतरिक रूप से विकसित यह डैशबोर्ड अब कार्यात्मक रूप से पूर्ण हो चुका है तथा cmdashboard.karnataka.gov.in डोमेन के अंतर्गत होस्ट किया गया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह मंच कर्नाटक भर में प्रमुख विकास संकेतकों पर वास्तविक समय, एकीकृत अंतर्दृष्टि देगा, जिससे उच्चतम स्तर पर डेटा-संचालित शासन और निर्णय लेने में मदद मिलती है। डैशबोर्ड को माइक्रोसर्विस-आधारित आर्किटेक्चर का उपयोग करके बनाया गया है, जिससे मापन और एकीकरण में आसानी सुनिश्चित होती है, और डेटा को विभिन्न विभागों से एपीआई (एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस) के माध्यम से एकीकृत किया जाता है, जिससे मैनुअल प्रविष्टि समाप्त हो जाती है।

अधिकारियों के अनुसार, डैशबोर्ड राज्य के प्रदर्शन डेटा को चार प्राथमिक क्षेत्रों में वर्गीकृत करता है: आर्थिक विकास (जैसे, निवेश, लाभार्थी), कानूनी/न्यायपालिका प्रबंधन (जैसे, आरटीआई, सकला मामले का निपटान), बुनियादी ढांचा विकास (जैसे, सड़क, सिंचाई, नवीकरणीय ऊर्जा), और नागरिक-केंद्रित शासन (जैसे, गारंटी योजनाएं, जनस्पंदन)। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया यह पोर्टल वास्तविक समय की प्रगति मीट्रिक प्रदर्शित करता है और प्रमुख योजनाओं और सेवा परिणामों तक जनता की पहुंच को सक्षम बनाता है।

राज्य की प्रगति की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की अध्यक्षता में विधान सौधा के कॉन्फ्रेंस हॉल में सभी जिला कलेक्टरों और जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की बैठक हुई। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, मंत्री केएच मुनियप्पा, केजे जॉर्ज, चेलुवरायस्वामी, शिवानंद पाटिल, थिम्मापुर, वेंकटेश, कृष्णा बायर गौड़ा, प्रियंक खरगे, बोसराज, मुख्य सचिव डॉ. शालिनी रजनीश और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

केंद्रीय मंत्री करंदलाजे ने 'विवादास्पद बयान' को लेकर कमल हासन की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने कन्नड़ भाषा के बारे में अभिनेता कमल हासन की हालिया टिप्पणी की शुक्रवार को निंदा करते हुए उन पर राजनीति और प्रचार के लिए ऐसा 'विवादास्पद बयान' देने का आरोप लगाया। करंदलाजे ने यहां पत्रकारों से कहा कि हर किसी की लोकप्रियता हमेशा एक जैसी नहीं रहती, हासन एक समय में बड़े अभिनेता और नायक थे तथा हर कोई उन्हें पसंद करता था।

उन्होंने कहा, ''अब वह नेता बन गए हैं। इसलिए, अपनी राजनीतिक हैसियत बढ़ाने और प्रचार के लिए उन्होंने विवादित बयान दिया। वह कर्नाटक में काम कर चुके हैं। उन्होंने यहीं खाया, यहीं पानी पिया। (लेकिन) यह वह भूल गए। उन्होंने राजनीति और प्रचार के लिए यह बयान दिया। यह (उन्हें) काम नहीं आयेगा। लेकिन तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम अलग नहीं हैं। हम सब मिलकर काम करते हैं।'' हासन के बयान की निंदा करते हुए मंत्री ने कहा, ''अभिनेता राज्यों और भाषाओं के बीच समस्या पैदा करना चाहते हैं।'' 'कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स (केएफसीसी)' ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह कर्नाटक में हासन की फिल्म 'ठग लाइफ' को तब तक रिलीज नहीं होने देगा, जब तक वह कन्नड़ भाषा के बारे में अपनी विवादास्पद टिप्पणी के लिए 30 मई तक सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांग लेते। अभिनेता-नेता हासन ने कहा था, ''कन्नड़ का जन्म तमिल से हुआ है।'' उनकी इस टिप्पणी से विवाद खड़ा हो गया है।

प्रख्यात कन्नड़ कवि एच एस वेंकटेश मूर्ति का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रख्यात कन्नड़ कवि और नाटककार एच. एस. वेंकटेश मूर्ति का शुक्रवार को यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे। सूत्रों ने बताया कि एचएसवी के नाम से लोकप्रिय कवि का बढ़ती उम्र संबंधी समस्याओं के कारण शुक्रवार को निधन हो गया। उन्होंने बताया कि वेंकटेश मूर्ति के परिवार में उनके चार बेटे हैं। मूर्ति एक बेहतरीन लेखक थे। उन्होंने निबंधकार, नाटककार, उपन्यासकार, बाल साहित्य लेखक, अनुवादक, आलोचक, कवि और फिल्मी गीत-कहानी-संवाद लेखक के रूप में कन्नड़ साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मूर्ति ने बेंगलूरु स्थित सेंट जोसेफ कॉलेज में तीन दशकों से अधिक समय तक अध्यापन किया।

मूर्ति की कविताएं कर्नाटक में खासी प्रसिद्ध हैं और उन्हें लोकप्रिय सुगम संगीत या भावगीत (ऐसी संगीत शैली जिसमें कन्नड़ भाषा में कविता को संगीतबद्ध किया जाता है) मंचों पर अक्सर गाया जाता है। उन्होंने 'चिन्नारी मुथा', 'अमेरिका अमेरिका' और 'किरिक पार्टी' जैसी फिल्मों के लिए भी गीत लिखे। उनके प्रमुख नाटकों में 'उरिया उय्याले', 'अग्निवर्ण' और 'मंथरे' शामिल हैं। मूर्ति को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है और वह कलबुर्गी में आयोजित 85वें अखिल भारतीय कन्नड़ साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष थे। उन्होंने 'कन्नड़डल्ली कथा कवानगलु' पर अपने शोध के लिए साहित्य में डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त की। मूर्ति के निधन पर शोक जताते हुए कर्नाटक सरकार ने एक अधिसूचना जारी की जिसमें उनका अंतिम संस्कार पूरे पुलिस सम्मान के साथ किए जाने का निर्देश दिया गया।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मूर्ति के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि वह एक ऐसे प्रतिष्ठित लेखक थे जिनके बड़ी संख्या में पाठक थे और उनके जाने से साहित्य जगत को अपूरणीय क्षति हुई है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक 'पोस्ट' साझा कर कविता, नाटक, बाल साहित्य, अनुवाद, निबंध और उपन्यासों में मूर्ति के विविध साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डाला। राज्य के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कवि के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि मूर्ति ने अपने भावगीत के माध्यम से कन्नड़ साहित्य को समृद्ध किया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''भावों के कवि को हार्दिक विदाई।''

अभिनेता कमल हासन के पोस्टर जलाने के आरोप में कन्नड़ कार्यकर्ता के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलूरु। कन्नड़ भाषा को लेकर अभिनेता कमल हासन की हालिया विवादास्पद टिप्पणी के विरोध में कथित रूप से उनके पोस्टर जलाने के लिए एक कन्नड़ कार्यकर्ता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना यहां बसवेश्वरनगर में बी. रोड स्थित पवित्र पैराडाइज सर्किल के पास हुई। पुलिस के अनुसार, 28 मई को रात करीब 11 बजकर 45 मिनट पर पवित्र पैराडाइज सर्किल के पास नम्मा करुणादा युवा सेना के अध्यक्ष रविकुमार पहुंचे और हासन के पोस्टर जलाने लगे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनके कृत्य से न केवल सार्वजनिक शांति भंग हुई बल्कि आधी रात को सड़क पर वाहनों की आवाजाही में भी बाधा उत्पन्न हुई। उन्होंने कहा, ड्यूटी पर तैनात एक पुलिसकर्मी की शिकायत के आधार पर हमने कल (बृहस्पतिवार) बसवेश्वरनगर थाने में कन्नड़ समर्थक संगठन के अध्यक्ष के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 270और 283 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इसरो ने पांच दिवसीय ऑनलाइन पाठ्यक्रम एसईटीयू 2025 के लिए शिक्षकों से आवेदन मांगे

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एसईटीयू 2025 (अंतरिक्ष शिक्षा प्रशिक्षण और ज्ञान उन्नयन कार्यक्रम) के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि इस साल का विषय अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग होगा। किसी भी बोर्ड की नौवीं से 12वीं कक्षा तक पढ़ाने वाले स्कूली शिक्षक इस निःशुल्क पांच दिवसीय पाठ्यक्रम के लिए आवेदन करने के पात्र हैं।

इसरो की वेबसाइट के अनुसार, यह पाठ्यक्रम शिक्षकों को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के साथ-साथ भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के बारे में जानने में सक्षम बनाएगा, जिससे उन्हें अंतरिक्ष यान प्रणालियों, उपग्रह संचार और नेविगेशन प्रौद्योगिकी, उपग्रह मौसम विज्ञान और मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन आदि की जानकारी मिलेगी। इसरो ने बताया कि उन्हें सूचना निकालने के लिए उपग्रह चित्रों को पढ़ना, ऑनलाइन डेटा संग्रह से भूस्थानिक डेटा तक पहुंचना तथा जीआईएस (भौगोलिक सूचना प्रणाली) का उपयोग करके समस्या का समाधान करना भी सिखाया जाएगा। इसरो के क्षमता निर्माण कार्यक्रम कार्यालय (सीबीपीओ) ने इस ऑनलाइन पाठ्यक्रम के लिए भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान (आईआईआरएस) के साथ सहयोग किया है। यह पाठ्यक्रम आईआईआरएस 'ई-लर्निंग' मंच पर उपलब्ध होगा।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण
चतुर्थ तल, बंगला साहिब रोड काली मंदिर के पीछे
गोल मार्केट, नई दिल्ली -110 001
AADHAAR

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण तकनीकी केंद्र, बेंगलुरु में सहायक अनुभाग अधिकारी के पद को प्रतिनियुक्ति (बाह्य सेवा शर्तों) आधार पर भरने हेतु रिक्ति परिपत्र।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण तकनीकी केंद्र, बेंगलुरु में सहायक अनुभाग अधिकारी के एक पद को प्रतिनियुक्ति (बाह्य सेवा शर्तों) आधार पर भरने हेतु आवेदन आमंत्रित करता है।

निर्धारित प्रपत्र में आवेदन निदेशक (मानव संसाधन), भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) आधार कॉम्प्लेक्स, एनटीआई लेआउट, टाटा नगर, कोडिगेहल्ली, टेक्नोलॉजी सेंटर, बेंगलुरु- 560 092 को भेजे जा सकते हैं। सभी तरह से पूर्ण आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 30.6.2025 है। चूंकि यह रिक्ति प्रतिनियुक्ति के आधार पर भरी जानी है, अतः गैर-सरकारी अभ्यर्थी पात्र नहीं हैं।

आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि के बाद प्राप्त हुए या अपूर्ण पाए गए आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। विस्तृत विवरण प्राधिकरण की वेबसाइट https://uidai.gov.in/images/VC_72_2025.pdf पर उपलब्ध है।

निदेशक (मा. सं.)
CBC-54103/11/0042/2526

आधार नामांकन और अद्यतन सेवा अब आधार सेवा केंद्रों पर भी उपलब्ध है।
नज़दीकी केंद्रों की जानकारी के लिए UIDAI.GOV.IN पर जाएं या 1947 पर कॉल करें।

मानसून आने से पहले एचएडीआर अभ्यास आयोजित किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मानसून नजदीक आने के साथ ही शहरी क्षेत्रों में जलभराव और बाढ़ के खतरे के मद्देनज़र अंतर-एजेंसी तैयारियों को मजबूत करने और किसी भी आपातकालीन स्थिति में त्वरित, समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के वास्ते बेंगलूरु में शुक्रवार को उच्च-प्रभावी मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) अभ्यास आयोजित किया गया।

इसका नेतृत्व बाइसन डिवीजन के तत्वावधान में एम्फीबिअस ब्रिगेड की गोरखा बटालियन द्वारा किया गया, जिसमें राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की 10वीं बटालियन, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), राज्य आपातकालीन सेवाओं और स्थानीय अधिकारियों के साथ निकट समन्वय स्थापित किया गया।

इस दौरान आपातकालीन परिदृश्यों को दोहराने और आपदा प्रतिक्रिया पारिस्थितिकी तंत्र के तालमेल का परीक्षण करने के लिए रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण दो स्थानों पर अभ्यास किए गए। जयनगर अग्निशमन केंद्र में भवन निकासी अभ्यास का आयोजन किया गया, जिसमें उच्च घनत्व वाली शहरी आपदा स्थितियों के आधार पर दुर्घटना प्रबंधन और एजेंसियों के बीच समन्वय पर जोर दिया गया। अल्सूर झील बाढ़ प्रतिक्रिया संबंधी कार्यों का अभ्यास भी मानसून के लिहाज में प्रासंगिक रहा।

इस संयुक्त अभ्यास के दौरान सैन्य और नागरिक प्रतिक्रिया बलों में समन्वय, साझा सीख और परिचालन तत्परता का प्रदर्शन किया गया। इसने संचालन क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया और आपसी विश्वास को मजबूत किया। पूरे इलाके में भारतीय सेना की एचएडीआर टुकड़ियों के अलर्ट पर रहने के साथ, यह पहल देश के सामूहिक आपदा प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम साबित हुई।

डिज़ाइन के जरिए राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को मिले वैश्विक मंच : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने डिज़ाइन को परंपरा को नवाचार से जोड़ने का माध्यम बताते हुए कहा है कि राजस्थान की कलात्मक परंपरा और डिज़ाइन क्षमता को डिजाइन कान्क्लेव के माध्यम से देश-दुनिया तक पहुंचाना अत्यंत सराहनीय प्रयास है। श्रीमती दीया कुमारी शुक्रवार को यहां इंडिया इंटरनेशनल डिज़ाइन कॉन्क्लेव-2025 का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह तीन दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीरियर डिज़ाइनर्स जयपुर चैप्टर द्वारा राजस्थान इंटरनेशल सेंटर (आरआईसी) आयोजित किया जा रहा है और इसका उद्देश्य जयपुर और राजस्थान की समृद्ध डिज़ाइन परंपरा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करना है।

उन्होंने कहा कि इसमें पैनल चर्चा, वर्कशॉप्स, शिल्प प्रदर्शनियां और प्रमुख वक्ताओं के सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन डिज़ाइन, नवाचार और परंपरा का संगम है, जो युवा प्रतिभाओं को प्रेरणा देने के साथ-साथ राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान को भी सुदृढ़ करता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की कलात्मक परंपरा और डिज़ाइन क्षमता को ऐसे मंचों के माध्यम से देश-दुनिया तक पहुंचाना अत्यंत सराहनीय प्रयास है। डिज़ाइन एक ऐसा माध्यम है जो परंपरा को नवाचार से जोड़ता है। उपमुख्यमंत्री ने डिज़ाइन इंस्टॉलेशन, क्राफ्ट प्रदर्शनी और कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने युवाओं की रचनात्मकता की सराहना भी की।

गहलोत का विदेश मंत्रालय से हज यात्रियों के वीजा में मदद करने का आग्रह

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने हज जाने वाले राजस्थान के 30 यात्रियों को वीजा देने में मदद करने की विदेश मंत्रालय से आग्रह किया हैं। गहलोत ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि राजस्थान के 30 हज जाने वाले यात्री मुंबई में वीजा का इंतजार कर रहे हैं जिनमें 10 उनके विधानसभा क्षेत्र सरदारपुरा, जोधपुर से हैं।

उन्होंने सारी कागजी कार्रवाई एवं औपचारिकताएं पूरी कर दी हैं परन्तु अभी तक वीजा नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि कल हज यात्रियों की आखिरी फ्लाइट है जिसके बाद यह लोग धार्मिक यात्रा पर नहीं जा सकेंगे। उन्होंने विदेश मंत्रालय से निवेदन किया कि इस मामले में ध्यान देकर इनकी मदद करें जिससे ये सभी अपनी यात्रा पर जा सकें।

आज होगा नागरिक सुरक्षा अभ्यास 'ऑपरेशन शील्ड'

जयपुर। राजस्थान में नागरिक सुरक्षा विभाग ने सभी जिलाधिकारियों और मजिस्ट्रेट को शनिवार शाम को प्रदेशभर में ब्लैकआउट करने और मॉक ड्रिल करने के निर्देश जारी किए हैं। नागरिक रक्षा निदेशालय के निदेशक जगजीत सिंह मोंगा द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार राज्य के सभी 41 जिलों में एक साथ मॉक ड्रिल और ब्लैकआउट किया जाएगा। मोंगा ने कहा कि गृह मंत्रालय के एक हालिया पत्र के अनुसार पश्चिमी सीमा पर स्थित राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के सभी जिलों में 31 मई को 'ऑपरेशन शील्ड' के तहत यह अभ्यास किया जाएगा।

राजस्थान देव धर्म, गौ सेवा से जुड़ी आध्यात्मिक संस्कृति का सभ्य प्रदेश : राज्यपाल हरिभाऊ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने केंद्र और राज्य सरकार की लाभकारी योजनाओं का लोगों को जल्दी और समुचित लाभ दिए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद की पहचान कर पूर्ण पारदर्शिता से योजनाओं का लाभ आम जन को मिले। उन्होंने विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि जयपुर में केंद्र सरकार और राज्य सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ रास्ता खोलने का अभियान, डेयरी और शिक्षा क्षेत्र में महती काम हुए हैं। ये अनुकरणीय हैं। उन्होंने खेती में रसायनों के उपयोग से कैंसर जैसे होने वाले भयावह रोगों के प्रति काश्तकारों को जागरूक करते हुए प्राकृतिक खेती पर ध्यान देने की आवश्यकता जताई। उन्होंने नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों की बौद्धिक क्षमता और बढ़ाई जाए। प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षा सीखने की नींव हैं। इसमें सिखाने की व्यावहारिक पद्धतियों पर विशेष ध्यान दिया जाए। राज्यपाल ने कहा कि लॉर्ड मैकाले द्वारा पारंपरिक भारतीय शिक्षा को बदल कर ऐसी शिक्षा व्यवस्था देश में लागू की गई जिससे हमारे नैतिक मूल्य और प्रामाणिकता पर प्रहार हुआ। उन्होंने कहा कि स्कूल स्तर से ही अब ऐसे प्रयास हों कि बच्चे प्राचीन ज्ञान की हमारी समृद्ध परंपरा से जुड़ सकें। राज्यपाल शुक्रवार को जयपुर जिला कलेक्ट्रेट में जिले की समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने काश्तकार, गरीब और वंचित वर्ग के लोगों के हित को ध्यान में रखते हुए विकास योजनाओं का आंकड़ों में ही नहीं व्यावहारिक रूप में क्रियान्वयन किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने दुग्ध संग्रहण के अंतर्गत पशुपालकों के जीवन स्तर में सुधार हेतु और प्रयास किए जाने की आवश्यकता जताई। राज्यपाल ने पंच गौरव के अंतर्गत जयपुर जिले में कबड्डी के खेल मैदान विकसित करने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह प्रेरणादायक हैं। दूसरे जिलों में भी स्थानीय खेलों को बढ़ावा देने किए ऐसे कार्य होने चाहिए। उन्होंने रास्ता खोलो अभियान के तहत ग्रेवल सड़कों के निर्माण और वहां गांव की प्रतिभाशाली बेटियों के नाम से पीलर बनाने को महत्वपूर्ण बताया। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वर्ष 2023-2024 तक जिले में 12789 आवासों का निर्माण किया गया है। राज्यपाल ने निर्मित आवासों की समीक्षा करते हुए इनमें अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्ग के लोगों को इस योजना से अधिकाधिक लाभान्वित करने पर जोर दिया। उन्होंने केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, स्वामित्व योजना के तहत पट्टे वितरण, स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण, बायोगैस प्लांट निर्माण और गांवों में स्वच्छता के लिए हो रहे कार्यों की विशेष रूप से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के लिए योजनागत कार्य किए जाने के साथ आम जन को स्व प्रेरणा से स्वच्छता की आदत डालने हेतु जागरूक भी किया जाए।

राज्यपाल ने बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत जीवन स्तर में सुधार के लिए व्यक्तिगत प्रयासों के बारे में विशेष रूप से जानकारी ली। उन्होंने इस योजना के अंतर्गत महिलाओं को मिलने वाले वैयक्तिक लाभ की गणना किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर महिलाओं को उद्यमिता के लिए प्रेरित करने के साथ उनके उत्पाद आम जन द्वारा उपयोग करने की मानसिकता का विकास करने की भी आवश्यकता जताई। उन्होंने महिला समूह द्वारा अकाउंटिंग रखने और लाभ गणना के आधार पर उन्हें प्रोत्साहित करने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रयास करें कि पेयजल से कोई भी घर वंचित नहीं रहे। उन्होंने अटल भूजल योजना के अंतर्गत भू जल संरक्षण के लिए प्रभावी कार्य करने की आवश्यकता जताई।

उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लिए लोगों को जागरूक कर सूर्य से बिजली उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर दिया। राज्यपाल ने जिले में एक माह नो एक्सीडेंट के रूप में मनाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस दौरान दुर्घटनाओं के प्रति जागरूक करने के लिए सभी स्तरों पर प्रयास किए जाएं। उन्होंने शराब पीकर वाहन चलाने, तेज गति से वाहन चलाने और वाहन चलाते नींद आने की स्थितियों को रोके जाने पर भी विशेष रूप से कार्य किए जाने की हिदायत दी।

नकली खाद घोटाले पर किरोड़ी मीणा का शिकंजा : फैक्ट्रियों पर छापेमारी, कर्मचारी ताला लगाकर भागे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर/किशनगढ़। राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने किशनगढ़ इलाके में फैले नकली उर्वरक के गोरखधंधे पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को उन्होंने डींडवाड़ा, बांदरसिंदरी और चौसला गांव की खाद फैक्ट्रियों पर औचक छापेमारी की। मंत्री की कार्रवाई से हड़कंप मच गया और एक फैक्ट्री में तो कर्मचारी ताला लगाकर मौके से भाग खड़े हुए। किरोड़ी मीणा शुक्रवार सुबह डींडवाड़ा की राधिका एग्रो फैक्ट्री पहुंचे और फिर बांदरसिंदरी में एक अन्य खाद यूनिट का निरीक्षण किया। यहां से वे चौसला गांव पहुंचे जहां एक फैक्ट्री के कर्मचारियों ने खाद को बाहर फेंका और फैक्ट्री में ताला लगाकर फरार हो गए। मंत्री ने तुरंत अधिकारियों को फैक्ट्री तुड़वाकर जांच के निर्देश दिए।

अब तक की जांच में 5 फैक्ट्रियों को सीज कर दिया गया है। कृषि विभाग ने किशनगढ़ विधानसभा क्षेत्र की 34 फैक्ट्रियों को जांच के लिए चिन्हित किया है। अधिकारियों की मानें तो इन फैक्ट्रियों में तैयार नकली डीएपी, यूरिया, जिंक सल्फेट, जिप्सम और पोटाश की आपूर्ति सिर्फ राजस्थान में नहीं, बल्कि हरियाणा, पंजाब, बिहार जैसे राज्यों में भी की जाती रही है।

किरोड़ी मीणा ने गुरुवार को किशनगढ़ की 12 खाद फैक्ट्रियों में औचक निरीक्षण किया था, जिसके बाद प्रशासन ने रातभर में सबूतों को सुरक्षित कर लिया। शुक्रवार को कार्यवाही और तेज की गई। मंत्री खुद किशनगढ़ में रुके और सुबह से ही अधिकारियों की टीम के साथ निकल पड़े। जयपुर और अजमेर की कृषि विभाग की टीमें भी सक्रिय हैं। अजमेर में आत्मा परियोजना की प्रोजेक्ट डायरेक्टर उषा चितारा ने बताया कि शुक्रवार को उदयपुरकलां की भूमि एग्रोटेक्स, गोवर्धन एग्रो और एक अन्य फैक्ट्री तथा टीकावड़ा गांव की दो फैक्ट्रियों को सीज किया गया है। साथ ही टेम्पो, जेसीबी, ट्रेलर जैसी मशीनरी को जब्त किया गया है।

मेजर मिनरल ब्लॉक्स के ऑक्शन में भी राजस्थान सबसे आगे : कांताराव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। देश-दुनिया में क्रिटिकल मिनरल्स की बढ़ती मांग को देखते हुए केन्द्र सरकार द्वारा खनिज खोज कार्य को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके लिए अब मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्य में केन्द्र व राज्य सरकार की मिनरल एक्सप्लोरेशन संस्थाओं के साथ ही निजी क्षेत्र के एक्सप्लोरेशन विशेषज्ञों की भी सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। केन्द्रीय खान सचिव वी. एल. कांताराव ने शुक्रवार को जयपुर में एक कार्यक्रम में बताया एनएमईटी द्वारा देश में 35 नोटिफाईड प्राइवेट एक्सप्लोरेशन एजेंसी को पंजीकृत किया जा चुका है और इस तरह की 20 एजेंसियों ने राजस्थान सहित अन्य प्रदेशों में एक्सप्लोरेशन का काम भी आरंभ कर दिया है। उन्होंने माइनिंग सेक्टर में राजस्थान को मोस्ट प्रोग्रेसिव स्टेट बताते हुए मेजर मिनरल के सर्वाधिक ब्लॉकों के ऑक्शन की सराहना की और बधाई दी।

केन्द्रीय खान सचिव आरआईसी, जयपुर में राज्य के प्रमुख ष्शासन सचिव, माइंस टी. रविकान्त व अधिकारियों के साथ माइनिंग एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों, प्रिफर बिडरों और केन्द्र व राज्य सरकार के संबंधित विभागों व संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि माइनिंग सेक्टर केन्द्र और राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकता होने और ऑक्शन खानों को शीघ्र परिचालन में लाने के उपायों पर चर्चा करने के लिए इस तरह की बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन की शुरुआत की गई है। अब सरकार एक्सप्लोरेशन, परिचालन, प्रोसेसिंग को बढ़ावा देने के लिए रिसर्च एवं डवलपमेंट में सहयोग और माइनिंग सेक्टर में रिसाइक्लिंग को भी प्रोत्साहित करने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एनएमईटी के वित्तीय सहयोग से एनपीईए, प्रोसेसिंग के लिए आरएण्डडी फण्ड और रिसाइक्लिनिंग करने वाली कंपनियों को इंसेटिव देकर प्रोत्साहित करने के प्रावधान किया गया है। कांताराव ने कहा कि मुझे गर्व हो रहा है कि मेजर मिनरल ब्लॉकों के ऑक्शन में राजस्थान देश में सबसे आगे हैं। विभिन्न अनुमतियों व औपचारिकताओं के कारण देशभर में ऑक्शन खानों के परिचालन में होने वाली देरी को लेकर सरकार गंभीर है और इन्हें कम करने के उपाय किये जा रहे हैं। खानधारकों, एलओआई धारकों और खान एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से सीधा संवाद कायम करने का उद्देश्य यही है कि व्यावहारिक कठिनाइयों को चिन्हित किया जाए और समस्याओं का हल खोजा जा सके।

थप्पड़कांड में नरेश मीणा को मिली जमानत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। देवली-उनियारा उपचुनाव के दौरान उपखंड अधिकारी (एसडीएम) को थप्पड़ मारने के मामले में जेल में बंद निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा को राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। जस्टिस अनिल उपमन की एकल पीठ ने नरेश मीणा को इस मामले में जमानत प्रदान कर दी है। हालांकि, समरावता हिंसा मामले में दूसरी जमानत याचिका पर फैसला आना शेष है, जिसके चलते वे अभी जेल में ही रहेंगे। नवंबर 2024 में देवली-उनियारा विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव के दौरान टोंक जिले के समरावता गांव में मतदाताओं ने वोटिंग का बहिष्कार किया था। उसी दिन निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा गांव के ग्रामीणों के साथ धरने पर बैठे थे। उनका आरोप था कि प्रशासन जबरन मतदान करवाने की कोशिश कर रहा है। इसी तनावपूर्ण माहौल में, मीणा मतदान केंद्र पहुंचे और वहां एसडीएम अमित चौधरी को थप्पड़ मार दिया।

घटना के बाद इलाके में तनाव और बढ़ गया। पुलिस ने नरेश को मौके पर हिरासत में लिया, लेकिन इससे माहौल और उग्र हो गया। बड़ी संख्या में समर्थकों ने न केवल पुलिस हिरासत से मीणा को छुड़ा लिया, बल्कि पथराव, लाठीचार्ज और आगजनी की घटनाएं भी हुईं। पुलिस ने हिंसा के बाद चार एफआईआर दर्ज कीं, जिनमें से दो में मीणा की गिरफ्तारी हुई थी। हालांकि, बाद में इन चारों एफआईआर को दो मामलों में सम्मिलित कर दिया गया।

जमानत याचिका पर दलीलें: घटना अचानक घटी, जानलेवा हमला नहीं थानरेश मीणा की तरफ से पैरवी करते हुए अधिवक्ता डॉ. महेश शर्मा और फतेहराम मीणा ने कोर्ट में कहा कि यह एक अचानक हुआ घटनाक्रम था। उन्होंने दावा किया कि इसे जानलेवा हमला बताकर अत्यधिक धाराएं लगाई गईं, जो तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। उन्होंने बताया कि नरेश मीणा पर कुल 26 आपराधिक मामले दर्ज थे, जिनमें से 5 में बरी हो चुके हैं और कुछ राज्य सरकार द्वारा वापस ले लिए गए हैं।

प्रदेश के कई जिलों में बारिश : अजमेर में आनासागर के 3 गेट खोले, जयपुर में छाए बादल

जयपुर। प्रदेश में एक बार फिर बारिश और आंधी की गतिविधियां तेज हो गई है। इसके असर से कई जिलों में बारिश और अंधड़ से मॉनसून जैसे हालात हो गए हैं। हालांकि, मॉनसून की प्रदेश में एंट्री होने में अभी समय है, लेकिन एक नया वेदर सिस्टम डेवलप होने से अभी से बारिश और आंधी की गतिविधियां शुरू हो गई है। वहीं, अरब सागर में बने सिस्टम से आ रही नमी वाली हवा ने प्रदेश के मौसम में बदलाव ला दिया है। सुबह टोंक जिले में अचानक मौसम बदला। यहां कई इलाकों में तेज हवा के साथ बारिश हुई। आज सुबह अजमेर के आनासागर के तीन गेट 3-3 इंच खोले गए। जयपुर में सुबह से ही बादल छाए हैं, जिससे गर्मी से राहत है। बाड़मेर में पिछले 24 घंटे में 30 एमएम बारिश हुई। यह मई में 6 साल में एक दिन की बारिश का रिकॉर्ड है। मौसम विभाग ने 18 जिलों में आंधी-बारिश की संभावना जताई है। मौसम में बदलाव का यह दौर अगले दो से तीन तक बना रह सकता है। वहीं, 9 जिलों में गर्मी का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इससे पहले जोधपुर, जयपुर, बीकानेर, कोटा, उदयपुर संभाग के जिलों में आंधी चली ।

तंबाकू सेवन से होने वाले कैंसर में हर साल 78 हजार से अधिक लोग तोड़ रहे हैं दम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। तंबाकू के सेवन से होने वाले कैंसर से विश्व में प्रतिवर्ष करीब 80 लाख लोगों की जान चली जाती है जबकि भारत में इससे साढ़े तेरह लाख से अधिक एवं राजस्थान में 78 हजार से अधिक लोगों की मौत हो जाती है वहीं देश में 5500 से अधिक एवं प्रदेश में 350 से अधिक बच्चे प्रतिदिन तंबाकू एवं अन्य धूम्रपान उत्पादों का सेवन शुरू करते है।

सवाई मान सिंह चिकित्सालय जयपुर के नाक, कान एवं गला रोग विभाग के वरिष्ठ आचार्य डा पवन सिंघल ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस (31 मई) के अवसर पर यूनीवार्ता से बातचीत में यह जानकारी देते हुए बताया कि ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे (गेट्स) के अनुसार प्रदेश, देश और दुनियां में तंबाकू सेवन से होने वाले कैंसर से हर साल ये मौते हो हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के युवा वर्ग में तंबाकू एवं धूम्रपान उत्पादों का बढ़ता हुआ क्रेज उनके जीवन को नर्क बनाने का काम कर रहा है और जिसके चलते प्रदेश में करीब 78 हजार से अधिक लोग मौत का शिकार हो रहे है। इनमें युवा भी शामिल है जबकि 73 प्रतिशत से अधिक युवा मानते है कि तंबाकू एवं अन्य धूम्रपान उत्पादों का उपयोग हानिकारक है। डा सिंघल ने बताया कि ग्लोबल यूथ टोबैको सर्वे (जीवाईटीएस 2019) के अनुसार तंबाकू उद्योग अपने उत्पादों के प्रचार के नायाब तरीकों से युवा किशोर-किशोरियों को अपनी और आकर्षित करते है।

जिसका सीधा असर युवा वर्ग पर देखने को मिल रहा है। अस्पताल में प्रतिदिन ओपीडी में मुंह एवं गले की जांच

कराने जो रोगी आ रहे है उनमें अधिकतर युवा शामिल होते है। जीवाईटीएस सर्वे में सामने आया कि प्रदेश में करीब 74.3 प्रतिशत किशोर एवं किशोरियों ने तंबाकू एवं अन्य संबंधित उत्पादों के प्रचार प्रसार को देखा है वहीं 15.6 प्रतिशत किशोर एवं किशोरियों को ई सिगरेट के बारे में किसी तरह की जानकारी है।

इसमें 17.2 प्रतिशत किशोर एवं 13.7 प्रतिशत किशोरियां शामिल है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 13 से 15 साल के बच्चे जो तंबाकू उत्पादों का सेवन करते है। उसमें 16.3 प्रतिशत किशोर तंबाकू उत्पादों का सेवन किसी न किसी रूप में कर चुकें हैं। इस दौरान पाया गया कि ग्रामीण क्षेत्र में 12.1 प्रतिशत यूजर है वहीं शहरी क्षेत्र में इसका प्रतिशत 5.6 है। डा सिंघल ने बताया कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर देश प्रदेश सहित दुनियांभर में वर्ष 2025 की थीम अनमास्किंग द अपील: तम्बाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति को उजागर करना पर चर्चा की जा रही है। उन्होंने बताया कि डब्ल्यूएचओ ने 2025 के विश्व तंबाकू निषेध दिवस (डब्ल्यूएनटीडी) अभियान के लिए इस थीम की घोषणा की है। जिसमें अनमास्किंग द अपील(अपील का पर्दाफाश): तम्बाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति को उजागर करना (आकर्षण को बेनकाब करना: तंबाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की भ्रामक रणनीतियों का खुलासा) के अनुरूप स्कूल एवं कॉलेज के छात्रों में तम्बाकू के हानिकारक प्रभावों और तम्बाकू और निकोटीन उद्योग द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली भ्रामक मार्केटिंग रणनीतियों के बारे में जागरुकता बढ़ाना है।

इस वर्ष अभियान उन रणनीतियों को उजागर करने पर ध्यान केंद्रित करेगा जो तंबाकू और निकोटीन उद्योग अपने हानिकारक उत्पादों को आकर्षक बनाने के लिए उपयोग करते हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में चबाने वाले तंबाकू का सेवन महिलाओं की अपेक्षा पुरुष ज्यादा करते है। इसकी जानकारी भी गेट्स सर्वे में आई है। ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे, 2017 के अनुसार राजस्थान में वर्तमान में 24.7 प्रतिशत लोग (5 में से 2 पुरुष, 10 में से एक महिला) किसी न किसी रूप में तंबाकू उत्पादों का उपभोग करते है।

हिंदी पत्रकारिता दिवस : राठौड़ ने बताया भाषा, साहस और सच्चाई का उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने आज हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर सभी पत्रकारों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस दिन को हिंदी पत्रकारिता के जन्म का प्रतीक और सच्चाई, स्वतंत्र विचार एवं जनजागरण के सफर की शुरुआत का गवाह बताया। कर्नल राठौड़ ने अपने संदेश में कहा कि हिंदी पत्रकारिता का इतिहास गौरवशाली रहा है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान यह देश की आवाज बनी, जिसने लोगों में चेतना जगाने और एकजुट करने का काम किया। उन्होंने जोर दिया कि आज के डिजिटल युग में भी, हिंदी पत्रकारिता ने अपनी प्रासंगिकता बनाए रखी है और समाज को सही, सटीक और निष्पक्ष जानकारी देने का अपना महत्वपूर्ण कार्य जारी रखा है।

उन्होंने आगे कहा, समाज को सही, सटीक और निष्पक्ष जानकारी देना ही पत्रकारिता की असली पहचान है। यह टिप्पणी पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों और उसके सामाजिक दायित्व को रेखांकित करती है, विशेष रूप से ऐसे समय में जब सूचनाओं की बाढ़ और 'फेक न्यूज' की चुनौती बढ़ रही है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने यह भी कहा कि हिंदी पत्रकारिता दिवस हमें याद दिलाता है कि एक सशक्त लोकतंत्र के लिए सशक्त और ईमानदार पत्रकारिता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने पत्रकारों से आह्वान किया कि वे इस गौरवशाली इतिहास को याद करें और भविष्य के लिए आशावादी दृष्टिकोण अपनाएं।

राज्य सचिवालय जा रहे 100 बर्खास्त शिक्षकों को हिरासत में लिया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। 'डिजर्विंग टीचर्स राइट्स फोरम' के परचम तले प्रदर्शन कर रहे करीब 100 उन शिक्षकों को पश्चिम बंगाल राज्य सचिवालय 'नबन्ना' की ओर जाते समय दो स्थानों पर हिरासत में लिया गया जो उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद अपनी नौकरी गंवा चुके हैं। यह समूह पात्र शिक्षकों के रूप में स्थायी बहाली की मांग के लिए एकत्र हुआ था तथा भर्ती परीक्षा दोबारा लेने के राज्य के निर्देश का विरोध कर रहा था।

एक अन्य प्रदर्शन में, नौकरी गंवा चुके करीब 500 शिक्षकों ने इसी मांग को लेकर साल्ट लेक के सेंट्रल पार्क क्षेत्र में रैली निकाली।

इससे पहले दिन में सैकड़ों प्रदर्शनकारी सियालदह स्टेशन और एस्प्लेनेड पर- लगभग दो किमी. की दूरी पर - मार्च शुरू करने के लिए एकत्र हुए, लेकिन वहां पहले से तैनात पुलिस कर्मियों ने उन्हें रोक दिया। फोरम के सदस्य ने कहा, हमें शांतिपूर्ण तरीके से लोकतांत्रिक मार्च निकालने की अनुमति नहीं दी गई। हम चाहते थे कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात का समय मांगें और उन्हें अपनी स्थिति और मांग से अवगत कराएं। साल्ट लेक में करीब 500 शिक्षक, जिनमें से कई ने प्रतीकात्मक विरोध के तौर पर अपनी शर्ट उतार रखी थी पश्चिम बंगाल शिक्षा विभाग के मुख्यालय विकास भवन के पास एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों ने जब वहां से हटने से इनकार कर दिया, तब पुलिस उन्हें कैदी वाहन में भरकर ले गई।

नीतीश ने जाति जनगणना के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काराकट (बिहार)/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जाति जनगणना कराने के लिए शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया, जिसकी मांग वह जोर शोर से उठा रहे थे।

जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष राज्य की राजधानी से करीब 140 किलोमीटर दूर काराकाट में प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा कर रहे थे, जहां प्रधानमंत्री ने 48,000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। वर्ष 1990 के दशक से ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सहयोगी रहे नीतीश कुमार ने कहा, ''दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी की तरह

नरेन्द्र मोदी जी भी हमारे राज्य के लिए बहुत कुछ कर रहे हैं। आइए, हम सभी उनका अभिनंदन करें।''

नीतीश कुछ समय के लिए भाजपा से अलग भी हुए थे, हालांकि भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में फिर शामिल हुए नीतीश अब जोर देकर कहते हैं कि वह हमेशा के लिए राजग में वापस आ गए हैं। जद (यू) सुप्रीमो ने इस साल के केंद्रीय बजट का जिक्र किया, जिसमें बिहार के लिए ''मखाना बोर्ड का गठन और हवाई अड्डों'' जैसे विशेष प्रावधान थे।

कुमार ने कहा, ''मैं जाति जनगणना पर सहमति जताने के लिए प्रधानमंत्री को नमन करता हूं। यह बहुत बड़ी बात है। हम लोग इतने लंबे समय से इसकी मांग कर रहे थे... मैं यहां मौजूद सभी लोगों से आग्रह करता हूं कि वे खड़े होकर उनका अभिनंदन करें।''

कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए कुमार ने कहा, ''कुछ पार्टियां जाति जनगणना के बारे में बहुत बातें कर रही हैं। सत्ता में रहते हुए उनके पास एक अवसर था, जिसे उन्होंने गंवा दिया।''

बिहार के मुख्यमंत्री ने बिना किसी का नाम लिए अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी लालू प्रसाद के राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर भी हमला किया और कहा, ''हमसे पहले बिहार पर शासन करने वालों ने कुछ नहीं किया। शिक्षा, सड़कें, रोजगार सृजन, महिलाओं का सशक्तिकरण, इन पर हमारे सत्ता में आने के बाद ध्यान दिया गया।''

भारतीय क्रिकेट के 'वंडर ब्वॉय' वैभव सूर्यवंशी से मिले प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शुक्रवार को बिहार के प्रतिभाशाली क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने मुलाकात की जो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने के साथ सबसे तेज शतक जड़ने वाले क्रिस गेल के बाद दूसरे बल्लेबाज भी बने।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' हैंडल पर पटना हवाई अड्डे पर सूर्यवंशी के साथ मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं। प्रधानमंत्री राज्य के दो दिवसीय दौरे पर आए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, ''पटना हवाई अड्डे पर युवा क्रिकेट खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी और उनके परिवार से भेंट हुई। उनके क्रिकेट कौशल की पूरे देश में प्रशंसा हो रही है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं।'' मार्च में 14 साल के हुए सूर्यवंशी बिहार के समस्तीपुर जिले के रहने वाले हैं। वह माता पिता के साथ प्रधानमंत्री मोदी से मिले और पैर छूकर आशीर्वाद भी लिया। आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिये खेलने वाले सूर्यवंशी ने इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मिली जीत में सूत्रधार की भूमिका निभाने के बाद चेन्नई कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के भी पैर छुए थे। सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में 35 गेंद में शतक जड़ा था और गेल के बाद सबसे तेज आईपीएल शतक बनाने वाले बल्लेबाज बने । उन्होंने इस सत्र में सात मैच में 200 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 252 रन बनाये जिसमें 18 चौके और 24 छक्के शामिल हैं।

अब भी सपा सरकार के विकास कार्यों के ही फीते काट रही भाजपा : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुक्रवार को कानपुर में विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किए जाने पर तंज करते हुए कहा कि भाजपा सरकार अब भी पूर्ववर्ती सपा सरकार द्वारा कराए गए विकास कार्यों के ही 'फीते काट रही है।'

यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अब तो कितने बरस भाजपा के शासनकाल के हैं बीते, फिर भी देखो सपा के ही कामों के ये काट रहे हैं फीते। उन्होंने पनकी तापीय विस्तार योजना, नेयवेली लिग्नाइट पावर प्लांट और कानपुर मेट्रो को अपनी सरकार में शुरू की गई परियोजनाएं करार देते हुए कहा, सपा के काम, जनता के नाम : – पनकी तापीय विस्तार योजना, नेयवेली लिग्नाइट पावर प्लांट और कानपुर मेट्रो। हमने रखी जिसकी नींव, वो (भाजपा सरकार) गा रहे हैं उसके गीत।

यादव ने कभी कपड़ा उत्पादन के लिए मशहूर रही कानपुर की 'लाल इमली' फैक्ट्री के बारे में सरकार से सवाल करते हुए कहा, कानपुर में लाल इमली के बारे में भाजपा सरकार की कोई योजना है क्या? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को कानपुर के दौरे पर रहेंगे, जहां वह 47,573 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 15 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

आत्मनिर्भर भारत की सफलता का एक बेहतरीन उदाहरण है 'ऑपरेशन सिंदूर' : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कानपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को दुनिया को 'मेक इन इंडिया' की ताकत का एहसास कराने का जरिया बताते हुए शुक्रवार को कहा कि यह आत्मनिर्भर भारत की सफलता का एक बेहतरीन उदाहरण है।

आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कानपुर में 47,000 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के अवसर पर अपने संबोधन में कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुश्मन की वायु रक्षा प्रणाली को नष्ट करके भारत की सेना ने शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया और भारत की सुरक्षा को पुष्ट करने का उदाहरण प्रस्तुत किया। यह प्रधानमंत्री द्वारा 10 वर्ष पूर्व प्रारंभ किए गए 'मेक इन इंडिया' की उस ताकत का भी एहसास दुनिया को कराता है। उन्होंने कहा, जो इस बार ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया ने देखा है, यह आत्मनिर्भर भारत की सफलता का भी एक बेहतरीन उदाहरण है। आदित्यनाथ ने कहा, देश

की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए दुश्मनों को वह जिस भाषा में समझे, उसी भाषा में पहले सर्जिकल स्ट्राइक के माध्यम से, फिर एयर स्ट्राइक के माध्यम से और अब ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से जवाब दिया गया। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में भारत की सेना के शौर्य और पराक्रम के कारण आज पूरी दुनिया भारत के शक्ति और सामर्थ्य को एक उदाहरण के रूप में मान रही है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री का यह कथन कि ऑपरेशन सिंदूर न्याय का एक अटूट संकल्प है, यह हर भारतीय की दिल की भावना और देश के दृढ़ निश्चय को भी दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी के यशस्वी मार्गदर्शन और नेतृत्व में हर भारतवासी गौरव की अनुभूति करता है। आज उसकी एक झलक इस कानपुर में एक साथ 47,600 करोड़ रुपए की इन परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के अवसर पर भी हम सबको देखने को मिल रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार के मुद्दों पर साधी चुप्पी : तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद)के नेता तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने दो दिवसीय बिहार दौरे के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य सहित राज्य को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर चुप्पी साधे रखी। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी इस समय कोलकाता में हैं, जहां उनकी पत्नी ने इस सप्ताह के प्रारंभ में अपने दूसरे बच्चे को जन्म दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के जरिये प्रधानमंत्री की आलोचना की।

तेजस्वी ने चेहरे पर मास्क लगाए प्रधानमंत्री मोदी की एक तस्वीर 'एक्स' पर साझा करते हुए लिखा, ''मुंह खुला ही नहीं।'' उन्होंने नीतीश कुमार के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सहित कई अहम मुद्दों पर कथित तौर पर टिप्पणी नहीं करने को लेकर प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा।

बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नीतीश कुमार पर सार्वजनिक रूप से असहज व्यवहार करने के कारण उनके 'शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ' होने के आरोप लग रहे हैं।

तेजस्वी ने कहा कि राजग ने 20 वर्ष में बिहार को रिकार्ड तोड़ बेरोजगारी, गरीबी और पलायन दिया है। '' नीति आयोग के अनुसार शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योग क्षेत्र में बिहार सबसे फिसड्डी है। विधि व्यवस्था सबसे बदतर है।

नकली नोट बढ़े, इससे साबित होता है कि नोटबंदी फिजूल का कदम था : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने एक खबर का हवाला देते हुए शुक्रवार को कहा कि पिछले वित्त वर्ष में 500 रुपए के नकली नोटों में 37% से अधिक वृद्धि हुई, जबकि नोटबंदी के समय दावा किया गया था कि नकली नोट हमेशा के लिए खत्म हो जाएंगे।

मुख्य विपक्षी दल ने यह दावा भी किया कि इससे साबित होता है कि नोटबंदी का यह पूरा प्रयोग कितना फिजूल और निरर्थक था कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोदी सरकार के 11 साल में 6,36,992 करोड़ रुपए की बैंक जालसाजी हुई हैं, जो कि 416% की बढ़ोतरी है। नोटबंदी के बाद भी, पिछले 6 वर्षों में 500 रुपए के नक़ली नोट की संख्या 291% बढ़ी। इस वर्ष यह सबसे अधिक है।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''मोदी जी, हमें नहीं मालूम की आपकी रगों-नसों में क्या-क्या है, पर इतना तय है कि आपकी सरकार की नसों में धोखाधड़ी और जालसाजी ज़रूर है।''

असम का पहला वन्यजीव स्वास्थ्य एवं अनुसंधान संस्थान दिनजान में बनेगा: हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य का पहला वन्यजीव स्वास्थ्य एवं अनुसंधान संस्थान डिब्रूगढ़ जिले के दिनजान में बनेगा। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि 250 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित किया जा रहा यह संस्थान 120 बीघा क्षेत्र में फैला होगा।

शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, असम का पहला वन्यजीव स्वास्थ्य एवं अनुसंधान संस्थान दिनजान में 250 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा है। उन्होंने कहा कि यह पहल अत्याधुनिक निदान, फोरेंसिक और नीतिगत समर्थन के साथ हमारी जैव विविधता की रक्षा करेगी।

इस संस्थान की आधारशिला फरवरी 2021 में राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल द्वारा रखी गई थी। इसका उद्देश्य राज्य की समृद्ध जैव विविधता को संरक्षित करना और देश-विदेश के वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं को अनुसंधान और अध्ययन के लिए एक मंच प्रदान करना है।

कांग्रेस की 'जय हिंद यात्रा' 'जय पाकिस्तान यात्रा' जैसी है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के बाद सरकार पर कांग्रेस नेताओं के सवालों एवं कटाक्षों को लेकर शुक्रवार को विपक्षी दल पर निशाना साधा तथा आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी की 'जय हिंद यात्रा' असल में 'जय पाकिस्तान यात्रा' जैसी लग रही है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने संवाददाताओं से कहा कि राहुल गांधी और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी समेत वरिष्ठ कांग्रेस नेता अक्सर सैन्य संघर्ष में भारत द्वारा गंवाये गये विमानों की संख्या के बारे में

पूछते रहते हैं। उन्होंने कांग्रेस नेता जयराम रमेश पर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के रूप में विदेश यात्रा करने वाले सांसदों की तुलना आतंकवादियों से करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गांधी ने कभी पाकिस्तान में नष्ट किए गए आतंकी स्थलों और हवाई अड्डों का ब्यौरा नहीं पूछा, लेकिन उनकी पार्टी ने पड़ोसी देश की तुलना में भारतीय लड़ाकू विमानों के नुकसान के बारे में बार-बार सवाल किये हैं। उन्होंने कहा कि ये नेता 'पाकिस्तान के बब्बर'(लड़ाके) तथा 'भारत के गब्बर (लोकप्रिय फिल्म शोले के खलनायक)' हैं। उन्होंने कहा कि उनका भी वही हश्र होगा जो फिल्म के खलनायक का नायक जय और वीरू के हाथों हुआ था।

(ओडिशा के) पुरी से भाजपा सांसद पात्रा ने कहा, भारत की जय और वीरता के कारण गब्बर की हार पक्की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सांसद भी उन सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में शामिल हैं जो पहलगाम आतंकी हमले और पाकिस्तान के खिलाफ भारत के दंडात्मक हमलों के बाद भारत का रुख दुनिया के सामने रखने के लिए विभिन्न देशों की राजधानियों के दौरे पर हैं।

सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर मोबाइल फोन की रोशनी में हुआ चार महिलाओं का प्रसव : जांच के आदेश

बलिया (उप्र)/भाषा। बलिया जिले के बेरूआरबारी स्थित सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर चार महिलाओं का प्रसव मोबाइल की रोशनी में कराने का मामला सामने आने के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संजीव वर्मन ने बताया कि समाचार माध्यमों के जरिए ऐसी सूचना प्राप्त हुई है कि बेरूआरबारी स्थित सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर सोमवार की रात स्वास्थ्य केंद्र में चार गर्भवती महिलाओं का प्रसव मोबाइल फोन की रोशनी में कराया गया।

वर्मन ने बताया ऐसा पता चला कि जिला मुख्यालय से 12 किलोमीटर दूर स्थित बेरूआरबारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का विद्युत ट्रांसफार्मर तीन दिन पहले जल जाने के कारण ऐसा किया गया। हालांकि स्वास्थ्य केंद्र पर जेनरेटर और डीजल उपलब्ध था । उन्होंने बताया कि मामला सामने आने के बाद उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की है। वर्मन ने बताया कि जांच रिपोर्ट मिलने के बाद तत्काल दोषी लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। खबरों के अनुसार सोमवार की रात नीतू देवी, मंजू देवी, पिंकी देवी और रजिया खातून का प्रसव मोबाइल फोन की रोशनी में कराया गया।

सभी प्रारूपों में खेलना मुश्किल है, होशियारी से चयन करने की जरूरत : बुमराह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड में टेस्ट मैचों में खेलने की चुनौती का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि लंबे समय तक तीनों प्रारूपों में खेलने में कठिनाई होती है और कहा कि उन्हें भी किसी समय चयन करना ही होगा।

मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम की घोषणा करते हुए कहा था कि बुमराह सभी पांच टेस्ट मैचों के लिए उपलब्ध नहीं हो सकते हैं। बुमराह ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क से 'बियोंड 23' पोडकास्ट में कहा, ''निश्चित रूप से किसी भी खिलाड़ी के लिए इतने लंबे समय तक सभी प्रारूपों में

खेलना मुश्किल है। मैं कुछ समय से ऐसा कर रहा हूं, लेकिन आपको यह समझना होगा कि आपका शरीर कैसा कर रहा है और कौन सा टूर्नामेंट महत्वपूर्ण है। ''

इकतीस वर्षीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने भारत के लिए अब तक 45 टेस्ट, 89 वनडे और 70 टी20 मैच खेले हैं। इसके अलावा उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए 143 आईपीएल मैच भी खेले हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा, ''आपको चयन करना होगा और आपको अपने शरीर के इस्तेमाल के तरीके के बारे में थोड़ा समझदार होना होगा। बतौर क्रिकेटर मैं कभी भी कुछ छोड़ना नहीं चाहूंगा और हमेशा आगे बढ़ते रहना चाहूंगा।

'' उन्होंने कहा, '' इस समय मैं ठीक हूं लेकिन मैं कोई लक्ष्य नहीं बनाता और खुद के लिए किसी समय तक कोई संख्या नहीं बनाता हूं कि मुझे इस समय यहां होना चाहिए। ''

हालांकि बुमराह ने 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने की इच्छा को खुद के लिए प्रेरणा करार दिया।

जसप्रीत बुमराह ने कहा, ''अब तक की यात्रा अच्छी चल रही है। जिस दिन मुझे लगेगा कि जोश खत्म हो गया है या प्रयास नहीं कर पा रहा हूं तो आप उस समय ही फैसला करते हैं। ''

'इंडि' गठबंधन को चेहरा घोषित किए बिना बिहार चुनाव में उतरना चाहिए : पप्पू यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने शुक्रवार को कहा कि 'इंडि' गठबंधन को मुख्यमंत्री पद के लिए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव या किसी अन्य नेता का चेहरा घोषित किए बिना बिहार विधानसभा चुनाव में उतरना चाहिए।

बिहार के पूर्णिया से लोकसभा सदस्य यादव ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में यह भी कहा कि कांग्रेस को इस विधानसभा चुनाव में कुल 243 सीटों में से कम से कम 100 सीटों पर लड़ना चाहिए और अपने हिस्से में परंपरागत वोट वाली सीटें लेनी चाहिए।

बिहार में इस साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव संभावित हैं।

राज्य में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सामने 'इंडियन नेशनल डेवलमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) है जिसे राज्य में महागठबंधन के नाम से भी जाना जाता है। इस गठजोड़ में राजद, कांग्रेस, वाम दल और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) शामिल हैं।

पप्पू यादव पिछले साल लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल हुए थे लेकिन पूर्णिया से राजद ने अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया था जिसके बाद उन्हें निर्दलीय चुनाव लड़ना पड़ा था। हालांकि वह विजयी हुए थे। यादव खुद को कांग्रेस से संबद्ध सांसद के तौर पर पेश करते हैं। उन्होंने कहा कि वह राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा को अपना नेता मानते हैं और जब तक कांग्रेस उन्हें अपने से खुद दूर न कर दे, तब तक इस पार्टी के साथ जुड़े रहेंगे। यह पूछे जाने पर कि कांग्रेस बिहार विधानसभा चुनाव के लिए उनकी भूमिका तय क्यों नहीं कर पा रही है, तो यादव ने कहा, ''यह आप कांग्रेस से पूछिए। वो राजा है, मैं रंक हूं। मेरे नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी हैं। मैंने झारखंड और दिल्ली में कांग्रेस के लिए काम किया है, बिहार में लगातार काम कर रहा हूं। अब कांग्रेस को (मेरी भूमिका) तय करने दीजिए।'' इस सवाल पर किया कि क्या राजद के दबाव में कांग्रेस उनका इस्तेमाल नहीं कर रही है, तो पप्पू यादव ने कहा कि कांग्रेस किसी के दबाव में काम नहीं करती, मजबूरियां और परिस्थितियां अलग बात है।

लोकसभा सदस्य ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन को मुख्यमंत्री पद के लिए बिना चेहरा घोषित किए चुनाव लड़ना चाहिए। उनका कहना था, चुनाव के बाद जिसका नाम नेतृत्व मिलकर तय करे, वह मुख्यमंत्री बने। लेकिन अभी हमें राहुल गांधी के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ना चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या तेजस्वी यादव या किसी अन्य चेहरे पर चुनाव नहीं लड़ना चाहिए तो उन्होंने कहा, मेरे ख्याल से नहीं। यह मैं व्यक्तिगत रूप से कह रहा हूं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस चुनाव में राहुल गांधी का चेहरा आगे होना चाहिए। पप्पू यादव ने कहा, राहुल गांधी जी जिस तरह से आरक्षण, जातीय जनगणना, किसान, रोजगार के लिए लड़ रहे हैं, ओबीसी की बात कर रहे हैं, हाथ में संविधान लिए हुए हैं, मनुस्मृति को खत्म करने की बात कर रहे हैं, तो लग रहा है कि पेरियार आ गए हैं, ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुले आ गए हैं।

उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी से एससी, एसटी और गरीब का भावनात्मक जुड़ाव बढ़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस को कम से कम 100 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहिए।

सुविचार

सोचो कितनी खूबसूरत होगी जिंदगी। जब दोस्त, मोहब्बत और हमसफ़र तीनों एक ही इंसान हो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पीओकेः खोलना होगा निजात का रास्ता

जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी को 'गुरु दीक्षा' देकर जो 'गुरु दक्षिणा' (पीओके) मांगी, उससे पूरे पाकिस्तान में डर का माहौल है। यह डर होना चाहिए। अपने इतिहास और संस्कृति को पूरी तरह भुलाकर एक विचित्र मानसिकता को ढोने वाले ज्यादातर पाकिस्तानियों को 'गुरु दक्षिणा' के बारे में कुछ पता ही नहीं है! वे इसे ऑनलाइन सर्च कर रहे हैं। यह वो धरती थी, जिस पर कभी महान गुरुओं के चरण पड़े थे। तक्षशिला विश्वविद्यालय के गुरुओं से ज्ञान प्राप्त करने के लिए विदेशों से विद्यार्थी आते थे। पाकिस्तान में ऐसे लोगों की बहुत बड़ी तादाद है, जिन्हें सिंदूर के बारे में भी कुछ मालूम नहीं है। उन्होंने बॉलीवुड फिल्मों में कभी-कभार यह शब्द सुन रखा था। जैसे ही 'ऑपरेशन सिंदूर' का नाम सामने आया, पाकिस्तानी पूरी तरह भ्रमित हो गए। उन्हें लगा कि यह किसी घातक हथियार का नाम होगा! वे इसके बारे में सर्च करने लगे। अपने पूर्वजों, अपने इतिहास, अपनी संस्कृति और अपनी जड़ों से रिश्ता खत्म करने वालों की यही दुर्दशा होती है। ऐसे लोग अपनी काल्पनिक दुनिया में जीते हैं और विदेशों से आयातित विचारों को अंतिम सत्य मानकर उनका अंधानुकरण करने में ही गर्व महसूस करते हैं। इन घटनाओं पर चर्चा करना इसलिए जरूरी है, क्योंकि देश में पीओके को लेकर यह विचार मजबूत होता जा रहा है कि अब और देर नहीं करनी चाहिए, पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले उस इलाके को भारत में मिला लेना चाहिए। पीओके को वापस लेने के लिए संसद का ध्वनिमत से पारित प्रस्ताव पहले से मौजूद है। हमारे सशस्त्र बल जब उचित समझेंगे, उस प्रस्ताव को साकार कर दिखाएंगे। याद रखें, आज पीओके में जो आबादी बसी हुई है, उसमें एक हिस्सा उन लोगों का भी है, जो 'गुरु दक्षिणा' और 'सिंदूर' के बारे में कुछ नहीं जानते। शारदा पीठ की धरती पर रहने वाले इन लोगों का आईएसआई और आतंकवादी संगठनों ने ब्रेनवॉश कर दिया है।

जब पीओके को भारत में मिलाने की बात होती है तो हमें इस पहलू पर भी चर्चा करनी चाहिए। पाकिस्तान ने उस इलाके पर अवैध कब्जा करने के बाद डेमोग्राफी में तेजी से बदलाव करने शुरू कर दिए थे। उसने अपने पंजाब प्रांत से बहुत लोगों को लाकर पीओके में बसाया था। जब कभी पाकिस्तानी यूट्यूबर वहां जाकर लोगों से बातचीत करते हैं तो वीडियो में लहजे पर गौर कीजिए। पाकिस्तानी पंजाबी का असर साफ महसूस होगा। उनके मन में भारत और हिंदुओं के प्रति सबसे ज्यादा नफरत होती है। भविष्य में पीओके को भारत में मिलाने की स्थिति में ऐसे लोग हमारे देश की शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। इनकी छंटनी करने के लिए अभी से कोई योजना तैयार रखनी चाहिए। उसमें कश्मीरी भाषा, संस्कृति, खानपान, पहनावा जैसे बिंदुओं को शामिल किया जा सकता है, जिनके आधार पर पाकिस्तानी पंजाबियों को अलग करने में आसानी होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सत्य कहा है कि 'पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के लोग हमारे अपने हैं, हमारे परिवार का हिस्सा हैं।' जब पीओके को लेने की बात होती है तो वहां रहने वाले कश्मीरियों को उससे अलग नहीं किया जा सकता। उनका इस धरती से गहरा रिश्ता है। रक्षा मंत्री के ये शब्द कि 'हम 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प के लिए प्रतिबद्ध हैं और हमें पूरा विश्वास है कि हमारे जो भाई आज भौगोलिक और राजनीतिक रूप से हमसे अलग हैं, वे भी किसी न किसी दिन अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर, आत्मसम्मान के साथ भारत की मुख्य धारा में लौट आएंगे', आशावादी नजरिए को बयान करते हैं। आज पीओके में बहुत लोग उस घड़ी को कोस रहे हैं, जब उनकी धरती पर पाकिस्तान ने अवैध कब्जा किया था। वे भारत का हिस्सा बनकर उससे निजात पाना चाहते हैं। इसके लिए पाकिस्तानी फौज, आईएसआई और आतंकवादियों के खिलाफ लड़ाई का आगाज उन्हें खुद ही करना होगा। उससे निजात का रास्ता खुलेगा।

ट्वीटर टॉक

सिख धर्म के पंचम गुरु, श्री गुरु ग्रंथ साहिब के संकलनकर्ता, परम पूज्य श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस पर उन्हें कोटिशः नमन। उनकी अमूल्य शिक्षाएं और आदर्श जीवन हम सभी को सदैव सत्य, धैर्य एवं धर्म की रक्षा के मार्ग पर अग्रसर होने की प्रेरणा देते रहेंगे।

-भजनलाल शर्मा

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर सभी पत्रकारों और हिंदी प्रेमियों को शुभकामनाएँ। सुखद है कि पत्रकारिता के क्षेत्र में हिंदी की प्रासंगिकता समय के साथ बढ़ी है। समाचार, संपादकीय में हिंदी का प्रचलन बढ़ा है, इंटरनेट से लेकर डिजिटल दुनिया में हिंदी अधिक लोकप्रिय हुई है।

-ओम बिरला

आज जयपुर में इंडियन इंस्टीट्यूट आफ इंटीरियर डिजाइनर द्वारा आयोजित इंटरनेशनल डिजाइन कांक्लेव 2025 का उद्घाटन सत्र में सम्मिलित होकर इंटीरियर डिजाइनिंग क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे महानुभावों का उत्साहवर्धन किया।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

समझ का फर्क

शहर के मुख्य बाजार में एक गैराज था, जहां एक मेकैनिक काम करता था। वह अपने काम में माहिर था, लेकिन उसमें एक कमी थीवह अपने काम को बड़ा और दूसरों के काम को छोटा समझता था। एक दिन एक हार्ट सर्जन अपनी लक्जरी कार की सर्विस कराने उसके पास आए। बातचीत के दौरान मेकैनिक को पता चला कि वे एक प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ हैं। उसने कहा, 'डॉक्टर साहब, हम दोनों का काम तो एक जैसा ही है। मैं कार का इंजन खोलता हूं, जांचता हूं, वॉल्व ठीक करता हूं और फिर सब कुछ जोड़ देता हूंआप भी तो यही करते हैं।' डॉक्टर मुस्कराए और बोले, 'बिलकुल, लेकिन एक फर्क है। तुम यह सब काम बंद इंजन पर करते हो, मैं यह काम चल रहे 'इंजन' यानी धड़कते दिल के साथ करता हूं।' यह सुनकर मेकैनिक चुप हो गया। उसे अपनी गलती का अहसास हुआ।

सामयिक

विश्व तंबाकू निषेध दिवस विशेष पर विशेष

तम्बाकू की घातकता को समझने की जरूरत

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

मोबाइल : 082374 17041

देश में आसानी से मिलनेवाला जहर है तंबाकू, जो धीरे-धीरे शरीर को खोखला करके घातक बिमारियों से जकड़कर असमय मारता है। समाज, देश उच्च शिक्षित और आधुनिक हुआ है, लेकिन लोगों के शौक भी बढ़ते ही जा रहे हैं, तंबाकू के नए-नए फ्लेवर मार्केट में उपलब्ध हो रहे हैं। छोटे-छोटे बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग तक बडे पैमाने में तंबाकू का सेवन करते हैं। आमतौर पर इस्तेमाल किये जाने वाले तंबाकू उत्पादों में बीड़ी, सिगरेट और हुक्का शामिल हैं। भारत में सबसे अधिक उपयोग किए जाने वाले धूम्ररहित तंबाकू उत्पादों में तंबाकू के साथ-साथ खैनी, गुटखा और सुपारी शामिल हैं। प्रतिदिन, तंबाकू और निकोटीन उद्योग नई पीढ़ी को आकर्षित करने और मौजूदा सेवनकर्ताओं को बनाए रखने के लिए तैयार किए गए उत्पादों और भ्रामक रणनीतियों का उपयोग बड़े ही शातिर ढंग से करते हैं।

हर साल तंबाकू के जहर के प्रति जागरूकता निर्माण करने हेतु 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है, इस वर्ष 2025 की थीम है अपील को उजागर करना: तंबाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग नीतियों को उजागर करना। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट अनुसार, अनुमान है कि विश्व भर में 13-15 वर्ष की आयु के 37 मिलियन बच्चे तंबाकू का सेवन करते हैं। कई देशों में, वयस्कों की तुलना में युवाओं में ई-सिगरेट का प्रयोग अधिक है। ई-सिगरेट, निकोटीन पाउच और गर्म तंबाकू उत्पादों को बढ़ावा देने वाली विपणन सामग्रियों को सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर 3.4 बिलियन से अधिक बार देखा गया है। कई निकोटीन और तंबाकू उत्पादों में फ्लेवर पाए जाते है, इसमें लगभग 16,000 अद्वितीय फ्लेवर है, अक्सर फ्लेवर को निकोटीन और तंबाकू उत्पादों का उपयोग शुरू करने का मुख्य कारण बताया जाता है। यूएस नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन की एक रिपोर्ट में पाया गया कि भारत में 83 ऑनलाइन स्टोर अवैध रूप से ई-सिगरेट बेच रहे है, इनमें से 61.4 फीसदी गूगल सर्च के माध्यम से तथा उसके बाद सोशल मीडिया के माध्यम से खोजे गए। यह ध्यान देने योग्य है कि लगभग आधे भारतीय ऑनलाइन स्टोर 2019 में प्रतिबंध लगाए जाने के बाद दिखाई दिए।

अमेरिकन लंग एसोसिएशन के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका में हर साल 4,90,000 से अधिक लोग तंबाकू के उपयोग और धूम्रपान के संपर्क में आने से मरते है। सिगरेट के धुएं में 7,000 से अधिक रसायन होते हैं, जिनमें से कम से कम 69 कैंसर का कारण बनते हैं। धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर से होने वाली लगभग 90 प्रतिशत मौतों और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज से होने वाली लगभग 80 प्रतिशत मौतों के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार है। वर्तमान में धूम्रपान करने वालों में, धूम्रपान से संबंधित 73 प्रतिशत बीमारियाँ दीर्घकालिक फेफड़ों की बीमारियाँ हैं। धूम्रपान शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाता है, यह कोरोनरी हृदय रोग, स्ट्रोक और कई अन्य कैंसर और बीमारियों का कारण भी है।

तंबाकू एटलस के अनुसार, भारत में धूम्रपान की आर्थिक लागत 1,971,145,052,480 भारतीय रुपए है, इसमें स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित प्रत्यक्ष लागतें तथा बीमारी और असामयिक मृत्यु के कारण उत्पादकता की हानि से संबंधित अप्रत्यक्ष लागतें भी शामिल हैं। भारत में वयस्क धूम्रपान करने वालों की संख्या 7,39,26,241 है। भारत में 8.9 प्रतिशत मौतें तंबाकू के उपयोग के कारण होती हैं। अनुमान है कि 2023 में भारत में 107,915,900,000 सिगरेट का उत्पादन हुआ। 2022 में, दुनिया की छह सबसे बड़ी तंबाकू कंपनियों का संयुक्त राजस्व 362 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। 2022 में, भारत ने 425,296 हेक्टेयर गुणवत्ता वाली कृषि भूमि पर 772,152 टन तंबाकू का उत्पादन किया, जिसका उपयोग पोषक अनाज उगाने के लिए किया जा सकता था।

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मुख्य तथ्यों अनुसार, तंबाकू का सेवन करने वाले आधे से ज़्यादा लोगों की मौत हो जाती है। तंबाकू से हर साल 8 मिलियन से ज़्यादा लोगों की मौत होती है, जिसमें अनुमानित 1.3 मिलियन गैर-धूम्रपान करने वाले लोग शामिल हैं, जो सेकेंड हैंड धुएं के संपर्क में आते हैं। दुनिया के 1.3 बिलियन तंबाकू उपयोगकर्ताओं में से लगभग 80 प्रतिशत निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं। 2020 में, दुनिया की 22.3 फीसदी आबादी ने तंबाकू का सेवन किया। तंबाकू उत्पादों का अवैध व्यापार दुनिया भर में स्वास्थ्य, आर्थिक और सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं उत्पन्न करता है। यह अनुमान लगाया गया है कि विश्व भर में उपभोग की जाने वाली प्रत्येक 10 सिगरेटों और तंबाकू उत्पादों में से 1 अवैध है। डब्ल्यूएचओ अनुसार, भारत में हर दिन लगभग 3600 लोग तंबाकू के सेवन के कारण मरते हैं। ऑस्ट्रेलियाई सरकार के स्वास्थ्य एवं वृद्ध देखभाल विभाग के अनुसार, धूम्रपान से जीवन प्रत्याशा औसतन 10 वर्ष कम हो सकती है।

तंबाकू बोर्ड (एक स्वायत्त निकाय), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त जानकारी अनुसार, भारत में तंबाकू एक महत्वपूर्ण वाणिज्यिक फसल है, यह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 45.7 मिलियन लोगों को रोजगार देता है और 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय खजाने में 12,005.89 करोड़ रुपये का विदेशी मुद्रा योगदान देता है। भारत विश्व में तंबाकू उत्पादन में अग्रणी स्थान रखता है। 2022 के दौरान, भारत दुनिया में अनिर्मित तंबाकू का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक (एफएओ स्टेट डेटा, 2022), दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक (मात्रा के हिसाब से) और पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक (मूल्य के हिसाब से) होगा (आईटीसी ट्रेडमैप डेटा 2022)। भारत में फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया तंबाकू की विभिन्न शैलियाँ उत्पादित की जाती हैं, जो अपनी भौतिक और रासायनिक विशेषताओं में भिन्न होती हैं। इस तंबाकू बोर्ड का मुख्य उद्देश्य :- उत्पादन को विनियमित करना, विदेशों में विपणन को बढ़ावा देना, तथा मांग और आपूर्ति में असंतुलन की बार-बार होने वाली घटनाओं को नियंत्रित करना, जो बाजार की समस्याओं का कारण बनते हैं। तंबाकू उद्योग को बढ़ावा देने के लिए वैज्ञानिक, तकनीकी और आर्थिक अनुसंधान को प्रायोजित करना, सहायता करना, समन्वय करना या प्रोत्साहित करना हैं।

भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त जानकारी अनुसार, भारत सरकार ने 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 2007-08 में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम अर्थात एनटीसीपी शुरू किया, जिसका उद्देश्य है कि, तंबाकू सेवन के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करना, तंबाकू उत्पादों के उत्पादन और आपूर्ति को कम करना, सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003 के तहत प्रावधानों का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करना, लोगों को तंबाकू का सेवन छोड़ने में मदद करना और तंबाकू नियंत्रण पर डब्ल्यूएचओ फ्रेमवर्क कन्वेंशन द्वारा समर्थित तंबाकू की रोकथाम और नियंत्रण के लिए नीतियों के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाना है। एनटीसीपी को तीन स्तरीय संरचना केंद्रीय स्तर, राज्य स्तर, और जिला स्तर के माध्यम से क्रियान्वित किया जाता है। जिला स्तर पर तंबाकू उन्मूलन सेवाएं स्थापित करने का भी प्रावधान है। वर्तमान में यह कार्यक्रम देश भर के 600 से अधिक जिलों को कवर करते हुए सभी 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में कार्यान्वित किया जा रहा है। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत परिकल्पित विभिन्न पहलों के समग्र नीति निर्माण, योजना, कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन के लिए जिम्मेदार है। भारत सरकार ने तंबाकू छोड़ने के लिए एक राष्ट्रीय क्विटलाइन की स्थापना की है, सेवाओं के लिए टोल फ्री क्रमांक 1800 112 356 पर कॉल करें या 011-22901701 पर मिस्ड कॉल दें। धूम्रपान का हर कश अनमोल जिंदगी के पल तेजी से कम करता है। तंबाकू जहर है, तुरंत छोड़ें, सुखी जीवन से नाता जोड़ें।

नजरिया

'लोकमाता ' अहिल्याबाई होल्कर

हर्षवर्धन पान्डे

भारत देश अपनी गौरवशाली संस्कृति, इतिहास और परंपराओं के लिए दुनिया में जाना जाता है। यहाँ अनेक ऐसे योद्धा, शासक, शासिकाओं ने जन्म लिया है जिनका नाम लोककल्याण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में आज भी गर्व के साथ लिया जाता है। इनमें से अहिल्याबाई होल्कर का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है। देश में जब भी किसी महिला का जीवन आदर्श, वीरता, त्याग , राष्ट्रभक्ति के लिए सदा याद किया जाता है, उनमें रानी अहिल्याबाई होल्कर का नाम ज़ेहन में आता है। वे 18वीं शताब्दी की एक ऐसी प्रेरणादायक महिला थी जिनका पूरा जीवन आज समाज के लिए बड़ी प्रेरणा का स्रोत है। होल्कर राजवंश का इतिहास जितना समृद्ध रहा है, उतनी ही अहिल्याबाई होल्कर की विरासत लोककल्याण के कार्यों के लिए जानी जाती है। कुशल प्रशासन एवं कर्तव्यपरायणता जैसे अपने अनेक मानवीय गुणों के कारण अहिल्याबाई होल्कर के द्वारा कराये गए अनेक कार्य देश में आज भी याद किये जाते हैं। उन्होंने अपने जीवनकाल में कभी कहीं कोई समझौता नहीं किया। पूरी कर्तव्यनिष्ठा व अनुशासन के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए लोककल्याण एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति संकल्पबद्ध होकर हर पल का सदुपयोग ही किया शायद यही वजह थी कि समाज के बीच उनकी एक अलग ही विशिष्ट पहचान और प्रतिष्ठा थी। भारतीय संस्कृति एवं लोककल्याण के कार्यों के प्रति उन उनका सम्मान का भाव उनके द्वारा किए गए अनेकानेक कार्यों में देखा जा सकता था। हमारी संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन हेतु जन-जन को प्रेरित व प्रोत्साहित करना उनका स्वाभाविक गुण था। सचमुच उनका जीवन आज समाज के लिए प्रेरणा व प्रोत्साहन का अविरल स्रोत है।

अहिल्याबाई होलकर का जन्म 31 मई, 1725 को अहमदनगर, महाराष्ट्र के गाँव छौंदी में एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। एक साधारण से किसान परिवार में जन्मीं अहिल्याबाई होलकर छोटी उम्र से ही अपनी संस्कृति पर गर्व करती थी, साथ ही प्रजा में रह रहे आमजनों की पीड़ा की अनुभूति भी करती थी। इनके पिता मनकोजी राव शिन्दे शिवभक्त थे। पिता के संस्कार बालिका अहिल्या पर भी पड़े। उनके पिता मानकोजी शिंदे खुद धनगर समाज से थे, जो गांव के पाटिल की भूमिका निभाते थे। अहिल्याबाई का जीवन भी बहुत साधारण तरीके से गुजर रहा था लेकिन एकाएक किस्मत ने पलटी खाई और वह 18वीं सदी में मालवा प्रांत की रानी बन गईं। अहिल्याबाई होल्कर ने मालवा प्रांत की महारानी बनकर राजमाता के रूप में बड़ी लकीर खींची।

अहिल्याबाई का 30 वर्षों का शासनकाल सुशासन का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करता है। उनकी प्रजा केंद्रित नीतियां, जैसे प्रतिदिन जन-सुनवाई करना और गरीब व्यक्ति के दुःख, दर्द और समस्याओं की शिकायत सुनना उनका निवारण करना एक आदर्श शासन की नीव रखता है। उनकी निष्पक्षता और पारदर्शिता ने उन्हें न्याय की देवी बनाया। अहिल्याबाई का शासन हमें याद दिलाता है कि नेतृत्व में ईमानदारी और जवाबदेही कितनी महत्वपूर्ण है। उन्होंने व्यापार और उद्योग को बढ़ावा दिया। विशेष रूप से महेश्वर में हथकरघा उद्योग की स्थापना की जो आज भी महेश्वरी साड़ियों के लिए प्रसिद्ध है।

युवा अहिल्यादेवी का चरित्र और सरलता ने मल्हार राव होल्कर को भी प्रभावित किया। वे पेशवा बाजीराव की सेना में एक कमांडर के तौर पर काम करते थे। उन्हें अहिल्या इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने उनकी शादी अपने बेटे खांडे राव से करवा दी। इस तरह अहिल्याबाई एक दुल्हन के तौर पर मराठा समुदाय के होल्कर राजघराने में पहुंची। उनके पति की मौत 1754 में कुंभेर की लड़ाई में हो गई थी। ऐसे में अअहिल्याबाई पर जिम्मेदारी आ गई। उन्होंने अपने ससुर के कहने पर न केवल सैन्य मामलों में बल्कि प्रशासनिक मामलों में भी रुचि दिखाई और प्रभावी तरीके से उन्हें अंजाम दिया। शादी के बाद उनका एक पुत्र और एक पुत्री हुई। वहीं कुछ सालों बाद ही अहिल्याबाई के पति का देहांत हो गया। इसके कुछ समय बाद ही 1766 में उनके ससुर मल्हारराव होल्कर की भी मृत्यु हो गई। जिसके बाद उन्होंने सत्ता को संभालने का भार अपने ऊपर ले लिया। शासन संभालने के कुछ दिनों बाद ही साल 1767 में उनके जवान पुत्र मालेराव की भी मृत्यु हो गई। पति, पुत्र, पुत्री, पुत्रवधू और पिता समान ससुर को खोने के बाद भी उन्होंने जिस तरह साहस और धैर्य से अपने कर्तव्यों का निर्वाहन किया से काम किया वो सराहनीय है। इस संकटकाल में एक तपस्विनी की तरह से श्वेत वस्त्र धारण कर राजकाज चलाया और परिवार पर भीषण वज्राघात के बाद भी रानी अविचलित रहते हुए अपने कर्तव्यपथ पर हमेशा डटी रहीं। अहिल्याबाई एक विनम्र एवं उदार वीरांगना थी जिनके अंदर गरीबों और असहाय व्यक्ति के लिए दया और परोपकार की भावना भरी हुई थी। उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित कर दिया था। मल्हारराव के निधन के बाद उन्होंने पेशवाओं की गद्दी से आग्रह किया कि उन्हें क्षेत्र की प्रशासनिक बागडोर सौंपी जाए। मंजूरी मिलने के बाद 1766 में रानी अहिल्यादेवी मालवा की शासक बन गई। उन्होंने तुकोजी होल्कर को सैन्य कमांडर बनाया। उन्हें उनकी राजसी सेना का पूरा सहयोग मिला। अहिल्याबाई ने कई युद्ध का कुशल नेतृत्व भी किया। वे एक साहसी योद्धा के साथ ही एक कुशल तीरंदाज भी थी जो हाथी की पीठ पर चढ़कर लड़ती थी। हमेशा आक्रमण करने को तत्पर भील और गोंड्स से उन्होंने कई बरसों तक अपने राज्य को सुरक्षित भी रखा। पड़ोसी राजा पेशवा राघोबा ने इन्दौर के दीवान गंगाधर यशवन्त चन्द्रचूड़ से मिलकर अचानक हमला बोल दिया। रानी ने धैर्य न खोते हुए पेशवा को एक मार्मिक पत्र लिखा। रानी ने लिखा कि यदि युद्ध में आप जीतते हैं, तो एक विधवा को जीतकर आपकी कीर्ति नहीं बढ़ेगी और यदि हार गये, तो आपके मुख पर सदा को कालिख पुत जाएगी। मैं मृत्यु या युद्ध से नहीं डरती। मुझे राज्य का लोभ नहीं है, फिर भी मैं अन्तिम क्षण तक युद्ध करूंगी। इस पत्र को पाकर पेशवा राघोबा चकित रह गया। इसमें जहां एक ओर रानी अहल्याबाई ने उस पर कूटनीतिक चोट की थी, वहीं दूसरी ओर अपनी कठोर संकल्पशक्ति का परिचय भी दिया था। रानी ने देशभक्ति का परिचय देते हुए उन्हें अंग्रेजों के षड्यन्त्र से भी सावधान किया था। अतः उसका मस्तक रानी के प्रति श्रद्धा से झुक गया और वह बिना युद्ध किये ही पीछे हट गया।रानी के जीवन का लक्ष्य राज्यभोग नहीं था। वे प्रजा को अपनी सन्तान समझती थीं। वे घोड़े पर सवार होकर स्वयं जनता से मिलती थी। उन्होंने जीवन का प्रत्येक क्षण राज्य और धर्म के उत्थान में लगाया। एक बार गलती करने पर उन्होंने अपने एकमात्र पुत्र को भी हाथी के पैरों से कुचलने का आदेश दे दिया था फिर जनता के अनुरोध पर उसे कोड़े मार कर ही छोड़ दिया।

अहिल्याबाई हर दिन वह अपनी प्रजा से बात करती थी। उनकी समस्याएं सुनती थी। 1767-1795 के कालखंड में रानी अहिल्याबाई ने ऐसे कई काम किए कि लोग आज भी उनका नाम बड़े गर्व के साथ लेते हैं। वो एक ऐसी रानी थी जिन्होंने सत्ता का लोभ नहीं बल्कि समृद्धि को चुना। वो एक ऐसी महिला थी जो आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाती थी। अपने साम्राज्य को उन्होंने समृद्ध बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी । उन्होंने राजकोष का धन बड़े पैमाने पर कई किले, विश्राम गृह, कुएं और सड़कें बनवाने पर खर्च किया। वह लोगों के बीच जाना पसंद करती थी और मंदिरों को दान भी देती थी। एक महिला होने के नाते उन्होंने विधवा महिलाओं को अपने पति की संपत्ति को हासिल करने और बेटे को गोद लेने में भी मदद की। इंदौर को एक छोटे-से गांव से समृद्ध और सजीव शहर बनाने में उनकी भूमिका को नहीं नकारा जा सकता। उन्होनें हिमालय से लेकर दक्षिण भारत के कोने-कोने तक मंदिरों के निर्माण में बड़ा धन खर्च किया साथ ही काशी, गया, सोमनाथ, अयोध्या, मथुरा, हरिद्वार, द्वारका, बद्रीनारायण, रामेश्वर और जगन्नाथ पुरी के ख्यात मंदिरों में उन्होंने अनेक काम करवाए जो आज भी बड़ी शान के साथ याद किये जाते हैं । धर्मपरायण होने के कारण रानी ने अपने राज्य के साथ-साथ देश के अन्य तीर्थों में भी मंदिर, कुएं, बावड़ी, धर्मशालाएं आदि बनवाईं। एक तरफ काशी का वर्तमान काशी विश्वनाथ मंदिर 1780 में उन्होंने ही बनवाया वहीं त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग में तीर्थयात्रियों के लिए विश्रामगृह बनवाया। अयोध्या और नासिक में भगवान राम के मंदिर का निर्माण हो या उज्जयिनी में चिंतामणि गणपति मंदिर का निर्माण यह सब अहिल्याबाई के कार्यों की आज भी जीती जागती मिसाल हैं। सोमनाथ के प्रसिद्ध मंदिर का पुनर्निर्माण भी उन्हीं की बड़ी देन है जिसे 1024 में गजनी ने आक्रमण कर लूट लिया था।

13 अगस्त, 1795 ई. को 70 वर्ष की आयु में उनका देहान्त हुआ। उनका जीवन धैर्य,साहस, सेवा, त्याग और कर्तव्यपालन का प्रेरक उदाहरण है। उनके राज्य में कला, संस्कृति, शिक्षा, व्यापार, कृषि आदि सभी क्षेत्रों का भरपूर विकास हुआ। सही मायनों में अहिल्याबाई विराट व्यक्तित्व की धनी हैं, जिनका जीवन मानवता की सेवा के कार्यों को समर्पित रहा। 300वीं जयंती के अवसर पर ऐसी महान धर्म प्रेमी, संस्कृति प्रेमी व मानवता प्रेमी कर्मयोगी शासिका के जीवन से आज हर किसी को प्रेरणा लेने की जरूरत है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दर्शन

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ शुक्रवार को उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में केदारनाथ मंदिर में दर्शन किए।

जापानी समुद्री खाद्य पदार्थों का आयात फिर से शुरू करेगा चीन : जापान

टोक्यो/एपी

चीन, जापानी समुद्री खाद्य पदार्थों का आयात फिर से शुरू करेगा। क्षतिग्रस्त फुकुशिमा दाइची परमाणु ऊर्जा संयंत्र से अपशिष्ट जल को समुद्र में छोड़े जाने पर 2023 में उसने इस मार्ग से आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था। जापान की ओर से शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। हालांकि, चीन ने मामले पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

जापान के कृषि मंत्री शिंजिरो कोइज़ुमी ने बताया कि चीन में जापानी और चीन के अधिकारियों की बैठक के बाद दोनों पक्ष एक समझौते पर पहुंच गए हैं। आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी हो जाने के बाद आयात पुनः शुरू हो जाएगा। चीन ने जापानी समुद्री खाद्य पदार्थों के आयात पर रोक लगा दी थी क्योंकि उसका कहना था कि इससे पूर्वी चीन में मछली पकड़ने का उद्योग एवं तटीय समुदाय खतरे में पड़ जाएगा। शुक्रवार की घोषणा दोनों देशों के बीच हुए उस समझौते पर आधारित है जिसके अनुसार चीन, संयुक्त राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के जल नमूनाकरण मिशन में शामिल होकर प्रतिबंध को समाप्त करने की दिशा में कदम उठाएगा।

मार्च 2011 में भूकंप एवं सुनामी आने के बाद फुकुशिमा दाइची संयंत्र के तीन रिएक्टर पिघलने लगे थे जिससे बड़ी मात्रा में रेडियोधर्मी पानी जमा हो गया था। अगस्त 2023 में जापान ने अपशिष्ट जल की निकासी शुरू करने से पहले रेडियोधर्मिता को यथासंभव कम करने के लिए अपशिष्ट जल का उपचार किया गया और उसे अत्यधिक पतला (तनु) किया गया।

जापान का कहना है कि यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के तहत की गई और आईएईए निगरानी के डेटा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

पिछले सितंबर में तत्कालीन प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा था कि दोनों पक्ष '' एक निश्चित स्तर की आपसी समझ '' पर पहुंच गए हैं कि चीन आयात प्रतिबंध को कम करने की दिशा में काम करना शुरू कर देगा और अपशिष्ट जल निकासी की आईएईए विस्तारित निगरानी में शामिल होगा। जापान के अंदर और बाहर के लोगों ने अपशिष्ट जल को छोड़े जाने को लेकर विरोध किया था। जापान के मछली पकड़ने वाले समूहों ने कहा था कि उन्हें डर है कि इससे उनके समुद्री भोजन की प्रतिष्ठा को और नुकसान पहुंचेगा। चीन और दक्षिण कोरिया के समूहों ने भी चिंता जाहिर की थी। टोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी होल्डिंग्स ने कहा था कि जापानी व्यापार मालिकों को निर्यात प्रतिबंधों से हुए नुकसान के लिए उचित मुआवजा दिया जाएगा।

रवानगी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के मंत्री आशीष सूद के साथ, शुक्रवार को नई दिल्ली के दिल्ली सचिवालय में फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करती हुई।

आतंकवाद से निपटने पर भारत की रणनीति को दक्षिण अफ्रीका में व्यापक समर्थन मिला : प्रतिनिधिमंडल

जोहानिसबर्ग/भाषा

पहलगाम हमले के बाद आतंकवाद से निपटने के लिए भारत की सुरक्षा रणनीति को दक्षिण अफ्रीका के सभी दलों के नेताओं के साथ-साथ नागरिक समाज से भी व्यापक समर्थन मिला है। भारत के एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने यह जानकारी दी।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से निपटने पर भारत का रुख सामने रखने के लिए 27-29 मई तक दक्षिण अफ्रीका की यात्रा पर था, जहां उसने सत्तारूढ़ गठबंधन के घटक अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस (एएनसी) के नेताओं से मुलाकात की। देश भर में तीन दिन की बैठकों के बाद बृहस्पतिवार को यहां एक प्रेस वार्ता में सुले ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने केपटाउन में कई संसदीय समितियों के साथ-साथ जोहानिसबर्ग में वरिष्ठ मंत्रियों और अन्य पार्टी नेताओं से मुलाकात की।

सुले ने कहा, ''यह बहुत ही सार्थक बातचीत थी और वे सभी इस बात पर सहमत थे कि वे दुनिया में कहीं भी किसी भी प्रकार के आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता के भारत के लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं।''

सुले के अलावा, प्रतिनिधिमंडल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता राजीव प्रताप रूडी, अनुराग ठाकुर और वी मुरलीधरन, कांग्रेस नेता मनीष तिवारी और आनंद शर्मा, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) नेता लावु श्री कृष्ण देवरायलू, आम आदमी पार्टी (आप) के नेता विक्रमजीत सिंह साहनी और पूर्व राजनयिक सैयद अकबरुद्दीन शामिल हैं।

मुरलीधरन ने कहा, ''हमें यह बहुत उत्साहजनक लगा। उनके भी यही विचार हैं। जिनसे भी हमने बात की, उनमें से कई ने भारतीय लोगों और समाज के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त की। चर्चाओं के दौरान एक व्यापक राय और आम सहमति उभरी कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सभी तरह के आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होना चाहिए।''

ठाकुर ने कहा कि दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में गए अन्य बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों को भी इसी तरह का समर्थन मिला है। ठाकुर ने कहा, ''हमने जो भी रिपोर्ट देखी है, जहां भी अन्य प्रतिनिधिमंडल गए हैं, आतंकवाद के मुद्दे पर अधिकांश लोग इसके पक्ष में आए हैं, क्योंकि यह न केवल भारत के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी खतरा है।''

क्या पाकिस्तान के बातचीत के सुझाव पर भारत सहमत है, इस सवाल पर रूडी ने कहा कि इसके लिए ठोस शर्तें हैं।

आधुनिक सुविधाओं के साथ शानदार व आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करती हैं 'नमो भारत' ट्रेनें

नई दिल्ली/भाषा

दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर पर वर्तमान में दौड़ रही 'नमो भारत' ट्रेनें यात्रियों को आधुनिक सुविधाओं के जरिये आरामदायक और सुखद यात्रा का अनुभव प्रदान कर रही हैं।

इन आधुनिक सुविधाओं में भारत में पड़ने वाली गर्मी को ध्यान में रखते हुए तैयार की गयी वातानुकूलन प्रणाली और चुनिंदा दरवाजे खोलने वाली प्रणाली भी शामिल है।

यात्रियों की सुविधा को बेहतर बनाने के लिए ट्रेनों को एक उन्नत प्रणाली से लैस बनाया गया है, जिसमें यात्री के बटन दबाने पर ही दरवाजे खुलते हैं।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने एक बयान में बताया कि भारत में पहली बार पेश किया गया यह 'पैसेंजर कंट्रोल मोड' डिब्बे के अंदर ठंडक को बनाए रखने में मदद करता है और ऊर्जा की खपत को काफी कम करता है। प्रत्येक डिब्बे में दो उच्च क्षमता वाली एचवीएसी (हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग) इकाइयां हैं, जो लगभग 25 डिग्री सेल्सियस के तापमान को बनाए रखने के लिए एक साथ काम करती हैं। यह प्रणाली विभिन्न मौसमों के अनुकूल है, जिससे यात्रियों को गर्मी, सर्दी या मानसून में आराम मिलता है।

बयान के मुताबिक, यह सुविधा राहत देने वाली है, खास तौर पर गर्मियों के उन महीनों के दौरान जब सड़क पर यात्रा करने वाले लोगों को अक्सर गर्मी और धूल का सामना करना पड़ता है। 'नमो भारत' ट्रेनों के अंदर स्वच्छ, जलवायु-नियंत्रित वातावरण विद्यार्थियों, कार्यालय जाने वालों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक पसंदीदा विकल्प साबित हो रहा है।

राजकुमार राव को चुनौतियों से भरी प्रभावशाली फिल्में पसंद

मुंबई/एजेन्सी

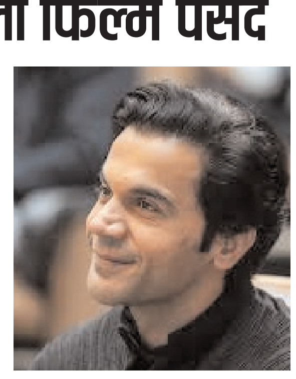

अभिनेता राजकुमार राव की गिनती इंडस्ट्री के मंझे हुए कलाकारों में होती है। अभिनेता ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की और बताया कि उन्हें प्रभावशाली और चुनौतियों से भरे किरदारों वाली फिल्में पसंद हैं। राजकुमार राव का कहना है कि उन्हें डांस-केंद्रित भूमिकाओं के बजाय प्रभावशाली भूमिकाएं पसंद हैं। वे 'शाहिद', 'मालिक' और 'न्यूटन' जैसी फिल्मों को पसंद करते हैं। यह पूछे जाने पर कि वह क्या चुनेंगे, डांसिंग राजकुमार या 'शाहिद' और 'मालिक' जैसी फिल्में करने वाले राजकुमार, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से बताया, मैं 'शाहिद', 'मालिक' और 'न्यूटन' को चुनूंगा क्योंकि मैं किसी पार्टी में भी डांस कर सकता हूं, वीडियो बना सकता हूं और उसे अपलोड कर सकता हूं, लेकिन ऐसी फिल्मों को करने के अवसर आसानी से नहीं मिलते।

राजकुमार की एक्शन-ड्रामा 'मालिक' की रिलीज डेट पहले 20 जून को थी, लेकिन अब यह 11 जुलाई को रिलीज होगी। फिल्म में राव गैंगस्टर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। पुलकित के निर्देशन में बनी 'मालिक' का निर्माण कुमार तौरानी ने टिप्स फिल्म्स बैनर और जय शेवक्रमणी की नॉर्दर्न लाइट्स फिल्म्स के तहत किया है। राजकुमार राव की फिल्म 'शाहिद' के बारे में बता दें, इसका निर्देशन हंसल मेहता ने किया है, जो साल 2012 में रिलीज हुई थी। 'शाहिद' वकील और मानवाधिकार कार्यकर्ता शाहिद आजमी के जीवन पर आधारित फिल्म है, जिनकी साल 2010 में हत्या कर दी गई थी। इस फिल्म में राजकुमार राव वकील आजमी की भूमिका में हैं। फिल्म में राव के साथ मोहम्मद जीशान अय्यूब, प्रभलीन संधू और बलजिंदर कौर सहायक भूमिकाओं में हैं।

'न्यूटन' साल 2017 में रिलीज हुई थी, अमित वी. मसुरकर के निर्देशन में बनी 'न्यूटन' ब्लैक कॉमेडी-ड्रामा है। फिल्म में राजकुमार एक सरकारी कर्मचारी की मुख्य भूमिका में हैं, जिसे चुनाव ड्यूटी पर मध्य भारत के राजनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र में भेजा जाता है। उनके साथ फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अंजलि पाटिल और रघुबीर यादव अहम भूमिकाओं में हैं।

फिल्म 'हॉट पिज्ज़ा' का पहला लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'हॉट पिज़्ज़ा' का पहला लुक रिलीज हो गया है। फिल्म 'हॉट पिज़्ज़ा' को अक्सार अल्लाहाबादी ने लिखा और निर्देशित किया है, और इसे उस्मानिया पिक्चर्स के बैनर तले सना मशुक ने निर्मित किया है। इस फिल्म की कहानी एक पिज़्ज़ा डिलीवरी बॉय के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक गलत मोड़ लेने के बाद एक खतरनाक स्थिति में फंस जाता है। फिल्म का निर्माण उस्मानिया पिक्चर्स ने किया है। फिल्म की शूटिंग पांडिचेरी, भारत और न्यूयॉर्क, अमेरिका में हुई है, जिसमें भारतीय और हॉलीवुड कलाकारों ने अभिनय किया है। फिल्म का संगीत अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संगीतकार मारियानो शाऊलिनो ने दिया है। फिल्म 'हॉट पिज़्ज़ा' 25 दिसंबर 2025 को क्रिसमस के दिन सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म अंग्रेजी, फ्रेंच, इतालवी, पुर्तगाली, हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज होगी, और इसे यूएसए, ब्राजील, फ्रांस, पुर्तगाल, इटली और भारत में दिखाया जाएगा।

नमित मल्होत्रा की फिल्म 'रामायण' के सेट से यश की पहली तस्वीर आई सामने

मुंबई/एजेन्सी

निर्माता नमित मल्होत्रा की आने वाली फिल्म रामायण के सेट से रॉकिंग स्टार यश की पहली तस्वीर सामने आ गयी है। फिल्म रामायण अब भारतीय सिनेमा की की सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बन चुकी है। जैसे ही अभिनेता-निर्माता यश ने इस मेगा प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू की है, वैसे-वैसे इसका क्रेज़ और भी ज़्यादा बढ़ता जा रहा है। इस मैग्नम ओपस का निर्माण नमित मल्होत्रा कर रहे हैं। रॉकिंग स्टार यश रामायण में रावण के किरदार को जीवंत करते नजर आयेंगे। यश, इस बार टीम के साथ मिलकर एक ऐसा विजुअल स्पेक्टेकल गढ़ रहे हैं जो एक्शन सिनेमा की हदों को पार कर जाए। यश रामायण पार्ट 1 के लिए करीब 60 से 70 दिनों की शूटिंग करेंगे। हाल ही में सेट से सामने आई तस्वीरों में यश अपने जबरदस्त फिज़िकल फॉर्म में नज़र आ रहे हैं।

उनका यह ट्रांसफॉर्मेशन एक बेहद शक्तिशाली और नए अंदाज़ में गढ़े गए रावण की झलक देता है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही रामायण पार्ट 1 दिवाली 2026 पर रिलीज़ होने वाली है, जबकि इसका दूसरा भाग दिवाली 2027 पर आएगा। इस ग्रैंड प्रोजेक्ट को नमित मल्होत्रा की प्राइम फोकस स्टूडियोज़ और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस मिलकर प्रोड्यूस कर रही है।

अजय देवगन और काजोल ने फिल्मोद्योग में माताओं के लिए आठ घंटे के काम का समर्थन किया

मुंबई/भाषा

कामकाज के मामले में कोई निर्धारित समय तय होने के लिए मशहूर हिंदी फिल्मोद्योग में अभिनेता दंपती काजोल और अजय देवगन ने फिल्म शूटिंग के वास्ते आठ घंटे की पाली का बृहस्पतिवार को समर्थन किया विशेष रूप से कामकाजी माताओं के लिए। फिल्म 'मां' के ट्रेलर जारी किए जाने के मौके पर देवगन और काजोल से कामकाजी माताओं के लिए आठ घंटे की पाली की मांग पर उनकी राय पूछी गयी थी। काजोल ने यहां पत्रकारों से कहा, '' मुझे यह बात पसंद है कि हम कम काम कर सकते हैं।'' देवगन ने कहा कि उद्योग में 'ईमानदार' फिल्म निर्माता आठ घंटे की 'पाली' के विचार पर गौर करने के लिए इच्छुक हैं। अभिनेता-निर्माता ने कहा, ''ऐसा नहीं है कि यह (आठ घंटे की पाली की मांग) ठीक नहीं है । लोग इसे समझते हैं। अधिकतर ईमानदार फिल्म निर्माताओं को इस (मांग) से कोई समस्या नहीं होगी। कामकाजी माताओं के अलावा, कई अन्य लोगों ने आमतौर पर आठ से नौ घंटे काम करना शुरू कर दिया है। इसलिए, यह व्यक्ति-दर-व्यक्ति है और फिल्मोद्योग के अधिकतर लोग इसे समझते हैं।''

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने कथित तौर पर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' छोड़ दी, क्योंकि दोनों के बीच आठ घंटे काम करने की पाली एवं अन्य शर्तों पर सहमति नहीं बनी थी। इससे फिल्मोद्योग में शूटिंग के घंटों को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। पादुकोण और वांगा ने कभी आधिकारिक तौर पर घोषणा नहीं की कि वे आपस में काम कर रहे हैं, लेकिन वांगा ने हाल में एक अज्ञात कलाकार पर 'गंदे पीआर गेम' खेलने और मीडिया में मुख्य कथानक का खुलासा करने का आरोप लगाया।

बाद में उन्होंने फिल्म की नायिका के रूप में तृप्ति डिमरी की घोषणा की। 'मां' फिल्म में काजोल मुख्य भूमिका में हैं और इसका निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है, जो 'लपाछपी', 'क्रिमिनल जस्टिस' और 'छोरी' में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। सिनेमाघरों में 27 जून को रिलीज होने वाली 'मां' में इंद्रनील सेनगुप्ता, खेरिन शर्मा और रोनित रॉय भी हैं।

जम्मू-कश्मीर मेरा भी घर, वहां शूटिंग के लिए जाऊंगा : कमल हासन

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता कमल हासन का कहना है कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक पूरा देश उनका घर है और वह फिल्म की शूटिंग के लिए कश्मीर भी जाएंगे, लेकिन शायद अभी इसका सही समय नहीं है। प्रसिद्ध अभिनेता एवं फिल्मकार हासन ने बताया कि उनकी फिल्म 'अमरन' की शूटिंग महज छह महीने पहले कश्मीर में हुई थी। इस फिल्म का निर्माण उन्होंने अपने बैनर राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल के तहत किया था। हासन ने अपनी फिल्म 'अभय' की शूटिंग भी कश्मीर में की थी। कमल हासन (70) ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और इसके जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ की गयी भारत की सैन्य कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' के कारण पैदा हुए हालात को लेकर कहा, '' कला के बारे में बात बाद में की जा सकती है। ''अभिनेता ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद उनकी आगामी फिल्म 'ठग लाइफ' के 'ऑडियो लॉन्च' को टाल दिया गया था। हासन ने इस सप्ताह 'पीटीआई' मुख्यालय में कहा, ''ऐसे नाजुक समय में हमने अपने जश्न भी स्थगित कर दिए।

श्वेता त्रिपाठी बनेंगी थिएटर निर्माता

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस श्वेता त्रिपाठी जल्द ही थिएटर निर्माता के रूप में अपनी शुरुआत करने जा रही हैं। वह एक मशहूर ब्रिटिश नाटक 'कॉक' का मंचन करेंगी। यह उनका पहला प्रोडक्शन होगा, जिससे वह थिएटर की दुनिया में कदम रख रही हैं। इस नाटक का पहला शो 6 जून को दिल्ली में मैक्स मुलर भवन में होगा। फिर 10 जून को मुंबई में पृथ्वी थिएटर में इसका प्रदर्शन होगा। प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए श्वेता ने कहा, मुझे थिएटर हमेशा से बहुत पसंद रहा है। थिएटर में सब कुछ सीधे-सादे तरीके से सामने आता है, कोई भी चीज छुपाई नहीं जा सकती। 'कॉक' बनाना मेरे लिए एक व्यक्तिगत और रचनात्मक फैसला है, मेरा मानना है कि कहानियों में दुनिया की सारी सच्चाई और खूबसूरती दिखनी चाहिए। श्वेता अपनी थिएटर प्रोडक्शन कंपनी ऑलमायटी के तहत इस नाटक का निर्माण कर रही हैं। इस नाटक का निर्देशन यूके में रहने वाले मनीष गांधी कर रहे हैं। इसमें रिताशा राठौड़, तन्मय धनानिया, साहिर मेहता और हर्ष सिंह जैसे कलाकार शामिल हैं। श्वेता के लिए इस नाटक पर काम करना बेहद खास बात है, क्योंकि यह नाटक समलैंगिक प्यार और प्राइड मंथ को सेलिब्रेट करता है। जून महीने को एलजीबीटीक्यू समुदाय के लिए प्राइड मंथ के रूप में मनाया जाता है और ये कहानियां उन्हें सम्मान देने के लिए समर्पित हैं। इसलिए, इस महीने में इस नाटक को दिखाना बहुत मायने रखता है।

यह नाटक माइक बार्टलेट नाम के ब्रिटिश लेखक ने लिखा है और मनीष गांधी इसका निर्देशन कर रहे हैं। यह नाटक बहुत गहरी और भावुक कहानी है। इसमें बताया गया है कि इंसान अपनी पहचान और अपने प्यार के बारे में कैसे सोचता है और ये चीजें कैसे बदलती रहती हैं। कहानी एक ऐसे आदमी की है जो अपने लंबे समय के पुरुष साथी और एक नई महिला के प्रति अपनी भावनाओं के बीच उलझा हुआ है। नाटक उसके दिल की भावनाओं को सीधे-सादे तरीके से पेश करता है। एक्ट्रेस ने कहा, हम ऐसे समय में जी रहे हैं जब लोग अपनी असली पहचान को खुलकर अपना रहे हैं। 'कॉक' नाटक उस सफर की मुश्किलें और खूबसूरती दोनों को सच्चाई के साथ सामने रखता है। यह सफर थोड़ा उलझा हुआ है। इस नाटक ने मुझे अपनी ओर आकर्षित किया है। उन्होंने आगे कहा कि वह ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हैं जो लोगों को सोचने पर मजबूर कर दें, लेकिन एक अच्छे तरीके से। ऐसी कहानियां जो बातचीत को बढ़ावा दें, दूसरों की भावनाओं को समझने में मदद करें, और शायद कुछ बदलाव भी लाएं। श्वेता ने कहा, प्राइड मंथ एक उत्सव है, लेकिन यह ये भी याद दिलाता है कि लोगों को दिखना, शामिल होना और स्वीकार किया जाना अभी भी एक संघर्ष है। इस नाटक के जरिए हम समलैंगिक अनुभवों का सम्मान करना चाहते हैं और उन्हें वह मंच देना चाहते हैं जिसके वे लंबे समय से हकदार हैं। इस नाटक की तैयारी अभी चल रही है, कास्टिंग और प्री-प्रोडक्शन पर काम जारी है। यह नाटक जून 2025 में मुंबई और दिल्ली में शुरू होने वाला है।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

जैन डवलपमेंट फोरम व अन्य जैन संस्थाओं के सदस्यों ने कर्नाटक सरकार द्वारा जैन समुदाय को दी जाने वाली अल्पसंख्यक योजनाओं, अधिकारों और सुविधाओं में भेदभाव को लेकर गुरुवार व शुक्रवार को फ्रीडम पार्क में शांतिपूर्ण प्रदर्शन के साथ उपवास सत्याग्रह किया।

हाई लाइफ एग्जिबिशन: फैशन, स्टाइल और लग्जरी का शानदार संगम आज से शुरू

2 जून तक चलेगा आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हाई लाइफ एग्जिबिशन में फैशन, स्टाइल और लग्जरी का शानदार संगम देखने को मिलेगा। यह एग्जिबिशन एक बार फिर अपने ट्रेंडी स्टाइल्स और क्यूरेटेड डिजाइनर कलेक्शन्स के साथ बेंगलूरु में धूम मचाने के लिए तैयार है। यह फैशन शो 31 मई से लेकर 2 जून तक द ललित अशोक में आयोजित होगा। इस एग्जिबिशन में 250 से ज्यादा बेहतरीन डिजाइनर अपने अनूठे कलेक्शन्स प्रदर्शित करेंगे। यहां फैशन, डेकोर और कला का अद्भुत तालमेल रहेगा। इसमें पारंपरिक परिधानों से लेकर आधुनिक डिजाइनों तक, हर किसी के लिए कुछ खास होगा।

हाई लाइफ एग्जिबिशन का समय सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक रहेगा। यहां वैलेट पार्किंग की सुविधा भी होगी। आयोजकों ने बताया कि अगर आप फैशन की दुनिया में शानदार अनुभव चाहते हैं तो यह एग्जिबिशन सुनहरा मौका है। यह आयोजन फैशन प्रेमियों के लिए किसी उत्सव से कम नहीं होगा। हाई लाइफ एग्जिबिशन उनके लिए ढेर सारी चमक और स्टाइल लेकर आ रही है!

ध्वजारोहण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में शुक्रवार को दोड्डबालापुर स्थित महावीरस्वामी जैन मंदिर की 47वीं वर्षगांठ के अवसर पर आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में मंदिर के शिखर पर हर्षोल्लास से ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण के पहले लाभार्थी परिवार द्वारा मंदिर प्रांगण में सत्तरभेदी तथा नूतन ध्वजा की पूजा की गई। पूजा के बाद लाभार्थी परिवार द्वारा मंदिर के शिखर पर पूरे विधि विधान से ध्वजारोहण किया गया।

'ऑपरेशन सिंदूर' से पाकिस्तान को नुकसान पर कोलंबिया की संवेदना निराश करने वाली : थरूर

बोगोटा/भाषा

कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत की सैन्य कार्रवाई से पाकिस्तान में हुई जानमाल की हानि को लेकर कोलंबिया द्वारा संवेदना जताए जाने पर गहरी निराशा व्यक्त की है। भारतीय सांसदों का सर्वदलीय प्रतिनिधमंडल 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले के बाद आंतकवाद के खिलाफ लड़ाई के प्रति भारत के रुख से अवगत कराने के लिए विभिन्न देशों की यात्रा कर रहा है।

थरूर, सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों के लिए पाकिस्तान के समर्थन और आतंकवाद के प्रति भारत के कतई बर्दाश्त नहीं करने के दृष्टिकोण से अवगत कराने के लिए कोलंबिया की यात्रा पर गए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। बृहस्पतिवार को कोलंबिया की राजधानी में एक प्रेस वार्ता में थरूर ने आतंकवाद पर भारत के रुख पर विस्तार से प्रकाश डाला, 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में बात की और पहलगाम आतंकवादी हमले पर कोलंबिया की प्रतिक्रिया पर निराशा जताई। प्रतिनिधिमंडल में शामिल, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा, ''थरूर ने आतंकवाद पर भारत के रुख को दोहराया और कोलंबिया की प्रतिक्रिया पर निराशा व्यक्त की, जिसने भारत में आतंकवाद के पीड़ितों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करने के बजाय पाकिस्तान में हुई जानमाल की हानि पर संवेदना व्यक्त की है।'' उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''हमला करने वालों और बचाव करने वालों के बीच कोई समानता नहीं हो सकती।''

सूर्या ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आतंकवाद का कड़ा जवाब देना जारी रखेगा। यह प्रतिनिधिमंडल बृहस्पतिवार को कोलंबिया पहुंचने से पहले गुयाना और पनामा की यात्रा कर चुका है।

प्रतिनिधिमंडल में भुवनेश्वर कलिता (भाजपा), मिलिंद देवड़ा (शिवसेना), शांभवी (लोजपा), जीएम हरीश बालयोगी (तेलुगु देशम पार्टी) और अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत तरनजीत सिंह संधू शामिल हैं।

बोगोटा में अपने प्रवास के दौरान प्रतिनिधिमंडल कोलंबिया की कांग्रेस के सदस्यों, मंत्रियों और थिंक टैंक तथा मीडिया में अन्य प्रमुख वार्ताकारों के साथ बातचीत करेगा। कोलंबिया से प्रतिनिधिमंडल ब्राजील जाएगा। यह पांच देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में अमेरिका जाएगा।

अपनी मांगों के समर्थन में जैन समाज के प्रतिनिधियों ने किया उपवास सत्याग्रह

जैन डवलपमेंट फोरम ने की अगुवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन डवलपमेंट फोरम व अन्य जैन संस्थाओं के सदस्यों ने कर्नाटक सरकार द्वारा जैन समुदाय को दी जाने वाली अल्पसंख्यक योजनाओं, अधिकारों और सुविधाओं में भेदभाव को लेकर गुरुवार व शुक्रवार को फ्रीडम पार्क में शांतिपूर्ण प्रदर्शन के साथ उपवास सत्याग्रह किया। कर्नाटक सरकार से अल्पसंख्यकों को मिलने वाले अधिकारों और सुविधाओं में जैन समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करने की मांग दोहराई गई। फोरम के ललित डाकलिया ने बताया कि जैन समुदाय की सात महत्वपूर्ण मांगों के समर्थन में यह सत्याग्रह किया गया जिसमें जैन विकास निगम की स्थापना और हर साल जैन विकास निगम को 200 करोड़ रुपए आवंटित करना है। उन्होंने कहा कि अभी तक अल्पसंख्यक आयोग में जैन सदस्यों की नियुक्ति भी नहीं हुई है, इसलिए तुरंत जैन सदस्यों को आयोग के सदस्य के रूप में नियुक्त किया जाए। राज्यभर में प्राचीन जैन मन्दिरों, उपाश्रयों, स्थानकों और बसदियों और उनकी संपत्ति की सुरक्षा के लिए सख्त कानून लाया जाए तथा उनमें सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षाकर्मियों की नियुक्ति और सोलर लाइट की व्यवस्था की जाए।

उपवास सत्याग्रह आन्दोलन में फोरम के अध्यक्ष बाबूभाई मेहता, चेयरमैन इन्दर चंद नाहर, महामंत्री ललित डाकलिया, पूर्व पार्षद कविता जैन, महेश जैन, सुशील तलेसरा, पंचेश आनेकर, रेणु रांका आदि प्रतिनिधि सदस्यों के साथ जैन युवा संगठन के सुरेश धोका, रूपचंद कुमट, कर्नाटक जैन कान्फ्रेंस के सुनील लोढ़ा, दिनेश पोरवाड़, रवि जैन, रविन्द्र गांधी, सुरेन्द्र गुन्देचा के साथ अनेक सदस्य उपस्थित थे।

कर्नाटक के लिए मेरा प्यार सच्चा, माफी नहीं मांगूंगा : कमल हासन

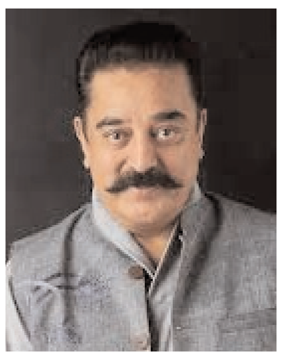

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अभिनेता-नेता कमल हासन ने अपने बयान को लेकर शुक्रवार को एक बार फिर माफी मांगने से इनकार करते हुए कहा कि वह कानून और न्याय में विश्वास करते हैं तथा कर्नाटक के लिए उनका प्यार सच्चा है। हासन ने यह बयान देकर विवाद खड़ा कर दिया था कि कन्नड़ भाषा का जन्म तमिल से हुआ है। हासन ने दावा किया कि कन्नड़ समर्थक समूहों द्वारा उनकी टिप्पणी के लिए माफी नहीं मांगने पर उनकी फिल्म का बहिष्कार करने की धमकी देना कोई नयी बात नहीं है और उन्हें पहले भी धमकियां मिल चुकी हैं।

हासन ने यहां द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के राज्य मुख्यालय 'अन्ना अरिवालयम' के बाहर संवाददाताओं से कहा, ''यह लोकतांत्रिक देश है। मैं कानून और न्याय में विश्वास करता हूं। मेरा मानना है कि प्रेम की हमेशा जीत होती है।'' उन्होंने कहा, ''कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और केरल के लिए मेरा प्यार सच्चा है। कोई भी इस पर संदेह नहीं करेगा, सिवाय उन लोगों के जिनका कोई एजेंडा है। मुझे पहले भी धमकी दी गई है। अगर मैं गलत हूं, तो मैं माफी मांगूंगा। अगर मैं गलत नहीं हूं, तो मैं नहीं मांगूंगा।'' मुख्यमंत्री एम के स्टालिन से मुलाकात के बाद मक्कल नीधि मैयम पार्टी के प्रमुख हासन (70) ने कहा कि राज्यसभा चुनाव की तैयारी के संबंध में यह मुलाकात हुई। राज्यसभा की एक सीट के लिए द्रमुक ने हासन को समर्थन दिया है। चेन्नई में अपनी फिल्म 'ठग लाइफ' के ऑडियो लॉन्च कार्यक्रम के दौरान अभिनेता ने यह टिप्पणी करके विवाद खड़ा कर दिया कि कन्नड़ भाषा तमिल से ही पैदा हुई है।

अदालत ने हत्या के आरोपी कन्नड़ अभिनेता को विदेश जाने की अनुमति दी

कर्नाटक पुलिस ने दर्शन और अन्य को दी गई जमानत को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है। राज्य सरकार की अपील पर 24 जनवरी 2025 को शीर्ष अदालत ने अभिनेत्री पवित्रा और पांच अन्य सह-आरोपियों को नोटिस जारी किया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चर्चित रेणुकास्वामी हत्या कांड के आरोपी कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा को शुक्रवार को बेंगलूरु की एक अदालत ने एक जुलाई से 27 जुलाई तक फिल्म की शूटिंग के लिए विदेश जाने की अनुमति दे दी। यहां की 57वीं नगर दिवानी एवं सत्र अदालत ने बुधवार को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। दर्शन ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 439(1)(बी) के तहत अदालत से दुबई और यूरोप की यात्रा करने की अनुमति मांगी थी। वह फिलहाल सशर्त जमानत पर हैं। वह अपने प्रशंसक रेणुकास्वामी की हत्या के मामले में आरोपी हैं। इस मामले में उनकी साझेदार पवित्रा एवं 15 अन्य भी कथित रूप से संलिप्त हैं।

विशेष लोक अभियोजक ने दर्शन की अर्जी का विरोध करते हुए दलील दी कि यदि अभिनेता को देश छोड़ने की अनुमति दी गई तो इस बात की गंभीर आशंका है कि वह वापस नहीं लौटेंगे, जिससे मामले की सुनवाई बाधित हो सकती है। जमानत पर रिहा होने के बाद दर्शन ने अपनी आगामी फिल्म 'डेविल' की शूटिंग फिर से शुरू की है। शुरू में उनकी आवाजाही बेंगलूरु तक ही सीमित थी, लेकिन उन्होंने देश के अंदर यात्रा करने के लिए अदालत की अनुमति प्राप्त की। नवीनतम अर्जी में उन्होंने विदेश यात्रा की अनुमति देने की गुहार लगाई जिसे अदालत ने शुक्रवार को मंजूर दे दी। दर्शन, पवित्रा और अन्य को चित्रदुर्ग से रेणुकास्वामी को अगवा करने और उसकी हत्या करने के आरोप में 11 जून, 2024 को गिरफ्तार किया गया था। रेणुकास्वामी दर्शन का प्रशंसक था।

कर्नाटक पुलिस ने दर्शन और अन्य को दी गई जमानत को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है। राज्य सरकार की अपील पर 24 जनवरी 2025 को शीर्ष अदालत ने अभिनेत्री पवित्रा और पांच अन्य सह-आरोपियों को नोटिस जारी किया था। जमानत की शर्तों के अनुसार, दर्शन को हर महीने अदालत में पेश होना होगा।

संयम ही जीवन का सार है : मुनिश्री पुलकितकुमार

दीक्षार्थी साधना बांठिया का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ धर्मसंघ के मुनि डॉ पुलकित कुमारजी व आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में शुक्रवार को नरपत सुराणा के निवास पर बालोतरा निवासी दीक्षार्थी साधना बांठिया का सम्मान किया गया।

इस मौके पर मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने कहा कि आज के भौतिकतावादी युग में संयम का भाव जागना अत्यंत प्रशंसनीय है। संयम ही जीवन का सार है, वही पाप से बचाने वाला मार्ग है। उन्होंने आगे कहा कि यदि कोई स्वयं संयम नहीं ले पा रहा है तो उसे संयम के मार्ग पर अग्रसर होने वालों की अनुमोदना व सम्मान करना चाहिए जो कि कर्म निर्जरा का कारण है। मुनिश्री ने दीक्षार्थी को संयम पथ पर अग्रसर होने की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह तुम्हारा अहोभाग्य है कि तुम्हें संयमी बनकर जिनशासन की सेवा करने तथा आचार्य महाश्रमणजी जैसे महान गुरु के मार्गदर्शन में आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। गुरु दृष्टि की आराधना करते हुए जागरूकता के साथ संयम में रमण करना तुम्हारा लक्ष्य होना चाहिए।

मुनिश्री आदित्य कुमारजी ने दीक्षार्थी की अनुमोदना में एक भावपूर्ण गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सरस्वती बाफना ने दीक्षार्थी साधना का परिचय दिया तो वीवीपुरम ज्ञानशाला की संयोजिका कोमल पोकरणा ने स्वागत किया। ज्ञातव्य है कि मुमुक्षु साधना बांठिया को आगामी 3 सितंबरको अहमदाबाद में आचार्यश्री महाश्रमणजी की निश्रा में दीक्षा प्रदान की जाएगी। अभिनंदन समारोह में तेरापंथ सभा गांधीनगर के मनोज संचेती, तेयुप के पूर्व सहमंत्री मनोज पोकरणा, अणुव्रत समिति के पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल पोरवाल सहित अनेक श्रावक-श्राविकाएँ उपस्थित थे।

उत्साहवर्धन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के हंटर्स क्रिकेटर्स द्वारा चोलुरपाल्या खेल मैदान में एचआर कप क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया जिसमें आठ टीमों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्र के पूर्व पार्षद एच. रविन्द्र, विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने स्टेडियम में खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साह बढ़ाया। आयोजकों ने अतिथियों का सम्मान किया।

सिद्धार्थ बने 'अहिंदा' के कर्नाटक राज्य संयोजक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के सचिव व वरिष्ठ आईएएस अधिकारी मूर्तिसिद्दया और ईसाई समुदाय के राज्य संयोजक व एमएलसी यूनुस जोन्स की उपस्थिति में जैन समुदाय के सदस्य सिद्धार्थ जैन को 'अहिंदा' के लिए कर्नाटक राज्य संयोजक और रेणु रांका और धर्मीचंद जैन को बेंगलूरु जिला संयोजक नियुक्त किया गया। फ्ज्ञातव्य है कि अल्पसंख्यक, हिन्दू व दलित समुदाय के प्रतिनिधित्व के लिए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने अहिंदा आंदोलन को पुनर्जीवित किया है। यह एक गैर-राजनीतिक सामाजिक आंदोलन है जिसका उद्देश्य अहिंदा वर्ग के लिए सामाजिक न्याय का लक्ष्य हासिल करना है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.